मरकुस
लिख्यो सुब-समिचार

लिखवा वाळो: मरकुस

लिखवा की वजा: मसीह, यहोवा को सेवक

लिखवा को बखत: करीब ५०-६८ ईस्वी सन्

मरकुस ईसु का पेलांपेल का चेलाहुंण माय से नी थो। उ तो यरुसलेम निवासी (परेरितहुंण १२.१२), सिमोन पतरस को साती (१ पतरस ५.१३), अने बरनाबास का काका जायो भई थो (कुलुस्सिहुंण ४.१०), जो बखत आवा पे पोलुस अने यरुसलेम का परेरितहुंण का गेले काम करवा वाळो बणी ग्यो। परेरितहुंण का साते काठो नातो होवा की वजासे उ ईसु मसीह का जीवन, अने सुरु का मसीही लोगहुंण का कामहुंण का बारामें जाणकारी दे हे।

ईस्वी सन् ११२ की सुरुआत की मण्डळी का अगवा पपीयास ने मरकुस की लिखी पोथी के पतरस को अनुवादक बताड्यो। परेरितहुंण १०.३६-४३ माय द्या परबचन को मिलाण मरकुस का सुब-समिचार से करवा पे परगट होय हे के पतरस को उ परबचन ईसु की जिनगी की एक रुप-रेखा हे जेके लई के मरकुस ने बड़ा रुप माय बखाण कर्यो हे। मरकुस ने अपणो यो सुब-समिचार खास करिके रोम नगर माय रेवा वाळा लोगहुंण सरु लिख्यो, अने ईसु के सेवक याने यहोवा का सेवक का रुप माय परगट कर्यो। फेर उने सुब-समिचार के याने इनी पोथी के, "परमेसर का बेटा ईसु मसीह को सुब-समिचार से सुरु कर्यो हे।" उने इनी सुब-समिचार की पोथी माय ईसु के एक सेवक जो हक से भर्यो हे उके काम करवा वाळा मनख का रुप माय परगट कर्यो हे। इका माय ईसु खुद के "परमेसर को बेटो" के हे। सुरु की मण्डळी को इतयास अने ईसु का जीवन को बखाण मरकुस ने रोम माय लिख्यो थो।

रुप-रेखा:-

या रुपरेखा ईसु का जीवन के उकी सेवकई माय करी गी जातराहुंण का रुप माय लिखी हे अने ईसु के एक सेवक याने परमेसर का सेवक का रुप माय, "काम माय लाग्यो रेणो" की वजासे कइंका बी मनख पे इको असर होय हे।

१. भूमिका *१.१*
२. सुरु की घटणाहुंण *१.२-१३*

३. गलील की पेली जातरा १.१४-४.३४
(अचरज का काम अने मिसाळहुंण)।
४. दिकापुलिस की जातरा ४.३५-५.४३
५. गलील की दूसरी जातरा ६.१-२९
६. ईसु एखला माय ६.३०-५२
७. गलील की तीसरी जातरा ६.५३-७.२३
८. धरउ देस की जातरा ७.२४-९.२९
दुःख-भोग का बारामें पेली कावा केणो ८.३१
९. गलील की चोथी जातरा ९.३०-५०
दूसरी कावा दुःख-भोग का बारामें केणो ९.३१
१०. पीरिया अने गलील की जातरा १०.१-५२
तीसरी कावा दुःख-भोग का बारामें केणो १०.३३,३४
११. यरुसलेम माय सेवा ११.१-१३.३७
१२. दुःख-भोगणो अने मोत माय से जिन्दो होणो १४.१-१६.२०

ईसु का दूत की तय्यारी

(मत्ती ३.१-१२; लूका ३.१-१८; योहन १.१९-२८)

१ परमेसर को बेटो[a] ईसु मसीह का सुब-समिचार की सुरुआत। २† जसाके यसायाह नबी ने परमेसर आड़ी से क्यो के,

"देख हूं थारा अगड़े अपणो दूत
मोकलुं,
जो थारो रस्तो तय्यार करेगा;
३† मांळ माय हेला पाड़वा वाळा को
यो हेलो,
'परभु को रस्तो तय्यार करो,
उकी बाटहुंण सुदी करो।"

४योहन बपतिसमो देवा वाळो पापहुंण की मांफी सरु हिरदो बदळवा का बपतिसमा को परचार करतो मांळ माय आयो।[b] ५अने यहूदिया का आखा इलाका का अने यरुसलेम का सगळा रेवासी उका कने हिट्याया, अने अपणा पापहुंण के मानी के यरदन नद्दी माय उकासे बपतिसमो लेवा लाग्या।

६† योहन तो ऊंट का रुंवां का लतरा पेर्‌या करतो अने कमर माय चामड़ा को कमरपेटो बान्द्‌या करतो अने टिडिड्हुंण अने सेत खाया करतो थो। ७अने यो केतो परचार कर्‌या करतो थो, "म्हारा बाद एक आवा वाळो हे, जो म्हार से घणो सामरती हे, अने हूं उकी पन्नी उठाड़वा लायक बी हयनी। ८म्हने तो तमारे पाणी से बपतिसमो[c] द्‌यो, पण उ तमारे पवित्तर आतमा से बपतिसमो देगा।

---

[a] **१.१** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय परमेसर को बेटो नी हे। [b] **१.४** योहन बपतिसमो देवा वाळो ... मांळ माय आयो; कई लेखहुंण माय असो हे योहन बपतिसमा देवा वाळो, परचार करतो मांळ माय परगट्‌यो। [c] **१.८** बपतिसमो; सबद् भण्डार माय देखो।

† **१.२:** मलाकी ३.१ † **१.३:** यसायाह ४०.३ † **१.६:** २ राजा १.८

ईसु को बपतिसमो अने ठकी अजमाइस

(मत्ती ३.१३-४.११; लूका ३.२१-२२; ४.१-१३)

९ठना दनहुंण माय असो होयो के ईसु ने गलील का नासरत इलाका से अई के योहन से यरदन नद्दी माय बपतिसमो ल्यो। **१०**अने जसेज ठ पाणी से बायरे हिट्यो तो ठने असमान के खुलतो होयो अने आतमा के कबुतर सरीको अपणा अदरे ठतरतो देख्यो; **११**† जदे सरग से या अवाज अई: "तू म्हारो परमिलो बेटो, हूं थार से घणो खुस हूं।"

१२अने आतमा ने झट ठके मांळ माय जावा सरु ठकसाड्यो। **१३**अने चाळीस दन तक मांळ माय ठकी अजमाइस सेतान से होती री अने ठ वां मांळ जनावर का गेले र्यो अने सरगदूत ठकी सेवा-टेल करता था।

पेलांपेल चेलाहुंण के तेड़णो

(मत्ती ४.१२-२२; लूका ४.१४-१५; ५.१-११)

१४योहन के बन्दी बणाया जावा का बाद ईसु तो परमेसर का राज को सुब-समिचार सुणातो होयो गलील आड़ी आयो। **१५**† अने यो केवा लाग्यो, बखत पूरण होयो, अने परमेसर को राज कने हे, हिरदो बदळो अने सुब-समिचार पे बिसास करो।"

१६जदे ठ गलील का सरवर का कराड़े-कराड़े जई र्यो थो, तो ठने सिमोन अने ठका भई अन्द्रियास के सरवर माय जाळ लाखता देख्या, क्योंके वी भोई था। **१७**ईसु ने ठणका से क्यो, "म्हारा पाछे चलो, हूं तमारे मनखहुंण का भोई बणठवां।" **१८**वी झट जाळहुंण छोड़ी के ठका पाछे चली पड़्या।

१९थोड़ाक अगड़े बड़वा पे ठने जब्दी का बेटा याकूब अने ठका भई योहन के नाव माय जाळ सांधता देख्या। **२०**ठने झट ठणके तेड़्या; अने वी अपणा दाइजी जब्दी के मजुर्याहुंण का गेले छोड़ी के ठका पाछे चली पड़्या

ईसु बायरबादा के बायरे हेड़े

(लूका ४.३१-३७)

२१फेर वी कफरनहूम सेर-गांम माय आया, अने झट सबत् का दन ठ पराथनाघर[d] माय जई के परबचन देवा लाग्यो। **२२**† अने लोग ठका परबचन से चकित होया, क्योंके ठ ठणके सासतरिहुंण सरीको नी, पण हक से परबचन दई र्यो थो।

२३ठणाज बखत ठणका पराथनाघर माय एक मनख जेके बायरबादा[e] लागी थी। वा या कई के चिल्लाड़ी, **२४**हे ईसु नासरी, हमारे थार से कंई काम? कंई तू हमारे नास करवा आयो? हूं जाणूं तू कुंण हे - परमेसर को पवित्तर जणो!"

२५ईसु ने ठके डांटी के क्यो, "छानी रे, अने ठका माय से हिटी जा।"

२६तो बायरबादा ठके मरोड़ी के ठंची अवाज से चिखती हुई ठका माय से हिटी गी। **२७**वी सगळा दंग रई ग्या, अने माय-माय तरक-बितरक करता होया केवा

---

[d] **१.२१** पराथनाघर; अराधनालय। [e] **१.२३** बायरबादा; बायरे की हवा, बुरी आतमा, दुस्ट आतमा।

† **१.११:** उत्पत्ती २२.२; भजन संहिता २.७; यसायाह ४२.१; मत्ती ३.१७, १२.१८; मरकुस ९.७; लूका ३.२२

† **१.१५:** मत्ती ३.२ † **१.२२:** मत्ती ७.२८–२९

लाग्या, "या कंई बात हे? हक का साते नवी सीख! ऊ बायरबादा के हुकम दे अने वी ऊकी माने हे।"

२८तो ऊका बारामें यो समिचार जदेज गलील का ऐरे-मेरे का आखा इलाका माय फेली ग्यो।

ईसु नरा लोगहुंण के नज करे

(मत्ती ८.१४-१७; लूका ४.३८-४१)

२९वी पराथनाघर से हिटवा का बाद झट याकूब अने योहन का गेले सिमोन अने अन्द्रियास का घरे आया। **३०**वां सिमोन की सासु बुखार माय पड़ी थी; अने ऊणने झट ऊका बारामें ईसु के बताड़्यो। **३१**ईसु ने ऊका कने अई के ऊको हात पकड़ी के ऊठाड़ी। ऊको बुखार ऊतरी ग्यो, अने वा ऊणकी सेवा करवा लागी।

३२सांज का बखत, दन अथणवा का बाद लोग सगळा बेमारहुंण के अने जिणका माय बुरी आतमाहुंण भरई थी ईसु कने लावा लाग्या। **३३**अने आखो नगर का फाटक पे भेळो हुई ग्यो। **३४**ऊने नरा के नरी-तरा की बेमारिहुंण से जो दुःख्या था, नज कर्‌या, अने नरी बुरी आतमाहुंण के हेड़ी; अने ऊ बुरी आतमाहुंण के बोलवा को हुकम नी देतो थो। क्योंके वी जाणती थी के ऊ कुंण हे।

एखला माय पराथना

(लूका ४.४२-४४)

३५परोड़े जदे इन्दारोज थो ऊ ऊठ्‌यो अने बायरे हिटी के एखला माय ग्यो अने वां पराथना करवा लाग्यो। **३६**तो सिमोन अने ऊका साती ऊके ढुंडवा लाग्या। **३७**अने ऊणने ऊके पई के क्यो, "सगळा लोग थारे ढुंडी र्‌या हे।"

३८ऊने ऊणकासे क्यो, "आव, हम हजु कंई ऐरे-मेरे की बस्तिहुंण माय जावां, के हूं वां बी परचार करी सकूं; क्योंके हूं इकासरु आयो हूं।"

३९† तो ऊ आखा गलील माय अने यहूदिहुंण का पराथनाघरहुंण माय जई के परचार करतो अने बायरबादाहुंण के हेड़तो र्‌यो।

कोड़्या के नज करनों

(मत्ती ८.१-४; लूका ५.१२-१६)

४०एक कोड़्यो ऊका कने आयो अने ऊका सामे गोड़ा टेकी के ऊकासे बिणती करिके केवा लाग्यो। "अगर तू चावे तो म्हारे सुद्द करी सके[f]।"

४१ईसु ने ऊका पे तरस[g] खई के अपणो हात अगड़े कर्‌यो अने ऊकासे चोंटई के क्यो, "हूं चऊं; तू सुद्द हुई जा।" **४२**अने झट ऊको कोड़ खतम हुई ग्यो अने ऊ सुद्द हुई ग्यो। **४३**फेर ऊने काठी चेतावणी दई के ऊके झट मोकली द्‌यो, **४४**† ईसु ने ऊकासे क्यो, "देख, कइंका से कइंनी केणो, पण जई के अपणे खुद के पुरोहित के बताड़ ऊ साबित करे अने सुद्द होवा का बारामें मूसा नबी ने जो कंई हुकम द्‌यो ऊको चड़ावो चड़ा जेकासे पुरोहितहुंण पे गवई रे।"

४५पण ऊ बायरे हिटी के इका बारामें यां तक परचार करवा लाग्यो के ईसु

---

[f] **१.४०** म्हारे सुद्द करी सके; इनी (कोड़) व्यादी से जो मनख हे ऊके सासत्तर का मुताबिक असुद्द मान्यो जातो थो। [g] **१.४१** तरस; थोड़ाक मूळ माय करोध।

† **१.३९:** मत्ती ४.२३, ९.३५ † **१.४४:** लेव्यव्यवस्था १४.१–३२

पाछो खुले-आम कइंका नगर माय जई नी सक्यो, पण मांळ माय र्‌यो; फेर बी चारी-मेर से लोगहुंण ठका कने आता र्‌या।

लकवा का रोगी के नज करनों

(मत्ती ९.१-८; लूका ५.१७-२६)

२ नरा दन बाद जदे ईसु पाछो कफरनहूम नगर आयो तो सुण्यो के ठ घर माय हे। [२]अने नरा लोगहुंण भेळा हुई ग्या यां तक के कमांड़ का बायरे तक बी जगा नी थी, अने ठ ठणके परबचन सुणई र्‌यो थो। [३]तो लोग लकवा का एक बेमार के चार मनखहुंण से ठठाड़ी के ठका कने ल्याया। [४]पण जदे भीड़ की वजासे ठका कने जई नी सक्या, तो वी घर पे फेर्‌या खापराहुंण के जां ईसु थो हटाड़वा लाग्या; अने जदे ठणने हटाड़ी के जगा बणई ली, तो ठनी खाट के जेका पे लकवा को बेमार पड़्यो थो, निच्चे ठतारी। [५]अने ईसु ने ठणको बिसास देखी के ठना लकवा का ठना बेमार से क्यो, "हे बेटा, थारा पाप मांफ हुई ग्या।"

६वां की जागे थोड़ाक सासतरी बेठ्‌या अपणा हिरदा माय तरक-बितरक करी र्‌या था। [७]"यो मनख असो कायसरु बोले? यो तो परमेसर की बुरई करी र्‌यो; परमेसर का अलावा हजु कुंण पाप मांफ करी सके हे?"

८ईसु ने झट अपणा आतमा माय यो जाणी के, के वी अपणा हिरदाहुंण माय असतरा तरक-बितरक करी र्‌या, ठणकासे क्यो, "तम कायसरु अपणा हिरदाहुंण माय इनी बातहुंण का बारामें तरक-बितरक करी र्‌या हो? [९]सरल कंई हे, इना लकवा का बेमार से यो केणो के, 'थारा पाप मांफ होया' या यो के, ठठ्‌या, अने अपणी खाट ठठाड़ी के चल'? [१०]पण इकासरु के तम जाणो के हूं मनख का बेटा[h] के इनी धरती पे पाप मांफ करवा को हक हे, "ठने लकवा का मार्‌या से क्यो, [११]"हूं थार से कूं, 'ठठ्‌या' अपणी खाट ठठाड़ अने घरे चल्यो जा'।"

१२ठ ठठ्‌यो अने झट अपणी खाट ठठाड़ी के सगळा लोगहुंण का देखता होया बायरे चल्यो ग्यो; अने वी सगळा दंग रई ग्या अने परमेसर की म्हेमा करता होया केवा लाग्या, "असो तो हमने कदी नी देख्यो।"

लेवी के तेड़णो

(मत्ती ९.९-१३; लूका ५.२७-३२)

१३ठ पाछो बायरे हिटी के सरवर कराड़े ग्यो, अने बड़ीमेक भीड़ ठका कने अइरी थी, अने ठ ठणके परबचन देतो थो। [१४]जाता बखत ठने हलफई का बेटा लेवी के चुंगी-चोकी माय बेठ्‌यो देख्यो, अने ठने ठकासे क्यो, "म्हारा पाछे हुई जा।" ठ ठठ्‌यो अने ईसु का पाछे चली पड़्यो।

१५फेर असो होयो के जदे ठ लेवी का घरे[i] जिमी र्‌यो थो तो नरा चुंगी वसुळवा वाळा अने पापी बी, ईसु अने ठका चेलाहुंण का गेले जिमी र्‌या था; क्योंके वी नरा था अने ठका पाछे चली पड़्या

---

[h] **२.१०** मनख का बेटा; सबद् भण्डार माय देखो।

[i] **२.१५** लेवी का घरे; या ठका (या ईसु की) घर माय।

था। १६जदे फरीसिहुंण[j] माय से थोड़ाक
सासतरिहुंण[k] ने देख्यो के उ पापिहुंण
अने चुंगी लेवा वाळा का गेले जिमी र्‌यो
तो उका चेलाहुंण से केवा लाग्या, "ईसु
चुंगी लेवा वाळा अने पापिहुंण का गेले
कायसरु खाय-प्ये?"

१७यो सुणी के ईसु ने उणकासे क्यो,
"अच्छा-भला के बेद की जरुवत हयनी,
पण बेमारहुंण के हे। हूं धरमिहुंण के नी,
पण पापिहुंण के तेड़वा आयो हूं।"

ईसु से बरत का बारामें सवाल

(मत्ती ९.१४-१७; लूका ५.३३-३९)

१८योहन का चेलाहुंण अने फरीसी बरत
राख्या करता था; अने वी अई के ईसु
से केवा लाग्या, योहन का चेलाहुंण अने
फरीसिहुंण का चेलाहुंण तो बरत राखे,
पण थारा चेलाहुंण कायसरु बरत नी
राखे?"

१९ईसु ने उणकासे क्यो, "जदत्तक लाड़ो
बरात्याहुंण का गेले रे, तो कंई बरात्या
बरत राखे? जदत्तक लाड़ो उणका गेले
रे वी बरत नी राखी सके। २०पण वी
दन आयगा जदे लाड़ो उणकासे इकाड़ी
कर्‌यो जायगा अने जदे वी उना दन
बरत राखेगा।

२१नवा लतरा को थेगळो जूना लतरा
पे कईं को नी लगाड़े; नी तो थेगळो उका
माय से खेंची लेगा याने नवो जूना माय
से अने उ पेलां से बी बत्ती फाटी जायगा।
२२नवा अंगूर रस के जूनी मसखहुंण
माय कईं को नी भरे, नी तो अंगूर रस
मसखहुंण फाड़ी लाखेगा अने अंगूर रस
अने मसखहुंण दोइज नास हुई जायगा;
पण नवो अंगूर रस नवी मसखहुंण माय
भर्‌यो जाय हे।"

सबत् अने मनख

(मत्ती १२.१-८; लूका ६.१-५)

२३† असो होयो के उ सबत् का
दन खेतहुंण माय से हुई के जई र्‌यो
थो, अने उका चेलाहुंण चलता-चलता;
उम्बी तोड़वा लाग्या। २४अने फरीसिहुंण
उकासे केवा लाग्या, देख, "ई असो काम
कायसरु करे जो सबत् का दन[l] करनों
अच्छो हयनी?"

२५† तो उने उणकासे क्यो, "कंई
तमने कदी असो नी बांच्यो के जदे
दाऊद राजा[m] अने उका सातिहुंण के भूक
लागी अने उके जरुवत हुई तो दाऊद ने
कंई कर्‌यो? २६† उने कसे अबियातार
म्हापुरोहित[n] का बखत माय, परमेसर
का मन्दर माय जई के चड़ावा का रोटा
खाया जिणके खाणो पुरोहित का अलावा
कइंका के ठीक नी थो, अने उने अपणा
सातिहुंण के बी दई द्‌या?"

२७फेर उने उणकासे क्यो, "सबत् को
दन मनख सरु बणायो, नी के मनख
सबत् सरु। २८इकासरु हूं मनख को बेटो
सबत् को बी मालेख हूं।"

---

[j] **२.१६** फरीसिहुंण; सबद् भण्डार माय देखो। [k] **२.१६** सासतरिहुंण; नेम-बिधान का सीखावा वाळा।
[l] **२.२४** सबत् का दन; यहूदिहुंण को पवित्तर छुट्टी को दन। इना दन माय कइंज नी करे, सिरप
पराथना घर माय जई के अराधना-उपासणा करे। [m] **२.२५** दाऊद राजा; यहूदिहुंण का पुराणा बखत
को राजो। [n] **२.२६** अबियातार म्हापुरोहित; दाऊद राजा का बखत को म्हापुरोहित।
† **२.२३:** नेम-बिधान २३.२५ † **२.२५–२६:** १ सेमुएल २१.१–६ † **२.२६:** लेव्यव्यवस्था २४.९

सरवर का कराड़े परबचन (MRK ३.९)

सुक्या हात वाळा के नज करनों

(मती १२.९-१४; लूका ६.६-११)

३ अने ईसु पाछो पराथनाघर माय ग्यो। वां एक मनख थो जेको हात सुकी ग्यो थो। २फरीसिहुंण ठका पे दोष लगाड़वा सरु ठकी हेर माय था के देखां, ठ सबत् का दन ठके नज करे के नी। ३ईसु ने सुक्या हात वाळा मनख से क्यो, "ठठ्या, अदाड़ माय सगळा का सामे ठबी जा।" ४ठने ठणकासे क्यो, "सबत् का दन भलो करनों ठीक हे के बुरो करनों, पराण बचाड़णो के घात करनों?"

पण वी छाना र्‌या। ५ठने चारी आड़ी ठणके गुस्सा से देख्यो अने ठणका हिरदा का काठापण पे दुःखी हुई के ठने ठना मनख से क्यो, "अपणो हात सामे कर, "ठने ठके सामे कर्‌यो, अने ठको हात नज हुई ग्यो ६अने फरीसी पराथनाघर से बायरे हिट्‌या अने झट ईसु का बिरोद माय हेरोदियाहुंण[o] का गेले मनसुबो करवा लाग्या के कसतरा ईसु के नास करां।

ईसु का पछड़े भीड़

७ईसु अपणा चेलाहुंण का गेले सरवर आड़ी चल्यो ग्यो। गलील से एक बड़ीमेक भीड़ ठका पाछे चली अने यहूदिया इलाका, ८यरुसलेम नगर, इदुमिया नगर, यरदन नद्दी का पेलां पार अने सूर अने सेदा कस्बा का ऐरे-मेरे से बी बड़ी भीड़ ठका सगळा काम का बारामें सुणी के ठका कने अई। ९[†] ठने अपणा चेलाहुंण से क्यो, "भीड़ की वजासे एक नाव ठका सरु तय्यार राखी जावे जेकासे के भीड़ ठके घेरी नी ले, १०क्योंके ठने नरा के नज कर्‌या था, इनी वजासे वी सगळा जो रोगी था, ठकासे चोंटवा सरु ठका चारी-मेर धक्का-मुक्की करी र्‌या था। ११अने जदे कदी बुरी आतमाहुंण ठके देखी लेती तो ठका अगड़े पड़ी जाती, अने चिल्लाड़ी के केती थी, "तू परमेसर को बेटो हे।"

१२अने ठ ठणके घड़ी-घड़ी चेताड़्या करतो थो के ठके नी परगटे।

बारा चेलाहुंण के सेवा सरु छांटणो

(मती १०.१-४; लूका ६.१२-१६)

१३फेर ठ परबत पे चड़ी ग्यो अने जिणके चाया ठणके अपणा कने बुलाड़्या, अने वी ठका कने आया। १४तो ठने ठणका माय से बारा चेलाहुंण के छांट्‌या के वी ठका गेले रे अने ठ ठणके परचार करवा सरु मोकले, १५अने

---

[o] **३.६** हेरोदियाहुंण; राजनेतिक पालटी जो करीब ईसु मसीह का बखत यहूदिहुंण सरु बणी थी जो हेरोदेस को समरथन करती थी क्योंके हेरोदेस रोमी राजपाल थो।

[†] **३.९–१०:** मरकुस ४.१; लूका ५.१–३

उणके बुरी आतमाहुंण के हेड़वा को हक द्यो।

१६फेर उने इना बाराहुंण के छांट्या: सिमोन, जेको नाम उने पतरस राख्यो, **१७**अने जब्दी को बेटो याकूब, अने याकूब को भई योहन जिणको नाम उने बुअनरगिस याने गरजन का बेटा राख्या; **१८**अने अन्द्रियास, अने फिलिप्पुस, अने बरतुलमे, अने मत्ती अने थोमा, अने हलफई को बेटो याकूब अने तद्दई, अने सिमोन कनानी,[p] **१९**अने यहूदा इस्करियोती, जेने उके पकड़वई बी लाख्यो थो।

ईसु अने बालजबूल

(मत्ती १२.२२-३२; लूका ११.१४-२३, १२.१०)

२०अने उ घरे आयो अने फेर एक असी घणी बड़ीमेक भीड़ भेळी हुई के ईसु अने उका चेलाहुंण रोटा बी नी खई सक्या। **२१**जदे ईसु का कुटम का लोगहुंण ने यो सुण्यो, तो उके पकड़वा सरु निकळ्या, क्योंके उणको केणो थो के, "उको चित्त ठिकाणे हयनी।"

२२† तो सासतरी जो यरुसलेम से आया था, कई र्‌या था, "उका माय बालजबूल याने सेतान भरायो हे, अने उ बुरी आतमाहुंण का परधान की मदद से बुरी आतमाहुंण के हेड़े हे।"

२३तो ईसु ने उणके अपणा कने बुलाड़्या अने उणकासे मिसाल माय केवा लाग्यो, "सेतान कसे सेतान के हेड़ी सके? **२४**अगर कइंका राज मायज फाड़ पड़ी जाय, तो उ राज जम्यो नी रे। **२५**अगर घर माय फाड़ पड़ी जाय तो उ घर बण्यो नी रे। **२६**अने अगर सेतान अपणोज बिरोदी हुई जाय अने उका माय फाड़ पड़ी जाय, तो उ बण्यो नी रेगा, पण यो उको अंत रेगा!

२७पण कईं को मनख कइंका ताकतवर मनख का घर माय भरई के उकी धन-सम्पत्ती नी लुटी सके, जदत्तक के उ उना ताकतवर मनख के पेलां बान्दी नी लाखे। इका बादज उ उको घर लुटेगा।

२८हूं तमार से खास बात कूं, मनखहुंण की सन्तान का सगळा पाप अने निंदा[q] जो वी करे मांफ कर्‌या जायगा, **२९**† पण जो कईं को पवित्तर आतमा का बिरोद माय निंदा करे उके कदीज मांफ नी कर्‌यो जायगा, पण उ सदा सरु पाप को दोषी ठेराड़्यो जाय हे।" **३०**क्योंके वी यो कई र्‌या था, के "उका माय बुरी आतमा हे।"

ईसु का चेलाज सांचा परवार

(मत्ती १२.४६-५०; लूका ८.१९-२१)

३१तो उकी मेतारी अने उका भई-बेनहुंण वां पोंच्या, अने बायरे उबा हुई के उके तेड़वा सरु मोकल्यो। **३२**अने भीड़ उका चारी-मेर बेठी थी, अने उणने उकासे क्यो, "देख, थारी मेतारी अने थारा भई-बेनहुंण बायरे थारे ढुंडी र्‌या हे। "

३३उने जुवाब द्यो, "म्हारी मेतारी अने म्हारा भई-बेनहुंण कुंण?" **३४**अने उने

---

[p] **३.१८** सिमोन कनानी; या सिमोन जेलोतेस; उ राजनेतिक कट्टरपंथी पालटी को सदस्य थो।

[q] **३.२८** निंदा; या बुरी बातहुंण केणो; या परमेसर का बिरोद माय निंदा करनों।

† **३.२२:** मत्ती ९.३४, १०.२५ † **३.२९:** लूका १२.१०

चारी-मेर वां बेठ्या होया लोगहुंण आड़ी नगे करिके क्यो, "देखो! म्हारी मेतारी अने म्हारा भई-बेनहुंण! ३५क्योंके जो कई को परमेसर की मरजी पे चले, उज म्हारो भई अने म्हारी बेन अने म्हारी मेतारी हे।"

बीज बोणे वाळा की मिसाल

(मत्ती १३.१-९; लूका ८.४-८)

४ † उ पाछो सरवर कराड़े परबचन देवा लाग्यो। अने उका कने घणी बड़ीमेक भीड़ भेळी हुइगी के उ सरवर माय एक नाव पे चड़िके बेठी ग्यो, अने आखी भीड़ सरवर का कराड़े जमीन पे उबी री। २ईसु मिसाल माय उणके नरी बातहुंण सीखाड़वा लाग्यो अने उ अपणा परबचन माय उणकासे कई र्‌यो थो,

बीज बोणे वाळो (MRK ४.३)

३"सुणो! देखो, एक बीज बोणे वाळो बीज बोणे हिट्‌यो। ४जदे उ बोई र्‌यो थो तो थोड़ाक बीज बाट का मेरे पड़्या अने चिरकलिहुंण ने अई के उणके चुगिल्या। ५अने थोड़ाक बीज भाटाळी जमीन पे पड़्या जां उणके जादा गारो नी मिळ्यो, अने गेरो गारो नी मिळवा की वजासे वी झट उग्याया, ६अने जदे दन उग्यो तो भुळसई ग्या अने जड़ नी पकड़वा की वजासे सुकई ग्या। ७थोड़ाक बीज कांटाळी झांडी माय पड़्या अने झांडिहुंण ने छई के उणके दाबी लाख्या, अने उणका माय फळ नी लाग्या। ८पण थोड़ाक बीज अच्छी जमीन माय पड़्या, जदे वी उगी के बद्‌या अने फळदार हुई के कइंका तीस गुणा, कइंका साट गुणा अने कइंका सो गुणा फळ लाया।"

९अने उ कई र्‌यो थो, "जिणका कने सुणवा सरु कान होय, वी सुणी ले।"

मिसालहुंण को उद्देस

(मत्ती १३.१०-१७; लूका ८.९-१०)

१०जसेज उ एखलो रई ग्यो, तो उका मानवा वाळा अने बारा चेलाहुंण उकासे मिसाल का बारामें पुछवा लाग्या। ११उने उणकासे क्यो, "तमार पे तो परमेसर का राज को भेद परगट्‌यो हे, पण बायरे वाळाहुंण सरु हरेक बात मिसाल माय करी जाय हे, १२† जेकासे के वी

देखता होया तो देखे
पण सुज नी पड़े,
अने सुणता होया तो सुणे

† **४.१:** लूका ५.१–३ † **४.१२:** यसायाह ६.९–१०

पण समजी नी सके,
कंई असो नी होय के
वी पलटे अने मांफी पई
जाय।"

मिसाल को अरथ

(मत्ती १३.१८-२३; लूका ८.९-१०)

१३फेर उने उणकासे क्यो, "कंई तम
या मिसाल नी समज्या? तो फेर सगळी
मिसालहुंण के कसे समजोगा? **१४**बोणे
वाळो बचन बोय। **१५**अने ई वी हे जो
बाट का मेरे का, जां बचन बोयो जाय
अने जदे वी सुणे, तो सेतान झट अई
के बोया बचन के उठई लई जाय।
१६असतरा ई लोग बीज बोया भाटाळी
जमीन सरीका हे। जदे वी बचन के सुणे
हे तो झट उके खुसी से मानी ले हे,
१७वी अपणा माय गेरी जड़ नी राखे अने
थोड़ाज बखत सरु रे, पण जदे बचन
की वजासे उणका पे संकट या सताव
आय तो वी झट ठोकर खाय हे। **१८**अने
थोड़ाक वी बीज, जो कांटाळी झांडी माय
बोया उनी जमीन पे पड़्या बीज सरीका,
जो बचन के सुणे तो हे। **१९**पण संसार
की चिन्ताहुंण अने धन को धोको अने
दूसरी चीजहुंण को लोभ उणका माय
भरई के बचन के दाबी लाखे अने उ
बिना फळ को हुई जाय हे। **२०**अने ई
वी बीज हे जो अच्छी जमीन पे बोया
बीज सरीका हे अने वी बचन के सुणे
अने उके माने अने तीस गुणो, साट
गुणो अने सो गुणो फळ लाय हे।"

सरावला की मिसाल

(लूका ८.१६-१८)

२१† उ उणकासे कई र्‌यो थो, "कंई
सरावला के इकासरु लावे के उके टोपली
या खाट निच्चे धरे? कंई इकासरु नी लावे
के उके सरावला की जगा पे धरे? **२२**†
क्योंके कंई बी छिप्यो हयनी जो परगट
नी कर्‌यो जाय; नीज कंई गुपत हे जो
उजाळा माय नी आवे। **२३**अगर कइंका
कने सुणवा का कान होय तो उ सुणी
ले।"

२४† फेर ईसु ने उणकासे क्यो,
"चोकन्ना रो के कंई सुणो हो। जेना
मांप से तम मांपो हो उना मांप से
तमारा सरु मांप्यो जायगा; अने इका
से बी बत्ती तमारे द्‌यो जायगा। **२५**†
क्योंके जेका कने हे उके हजु द्‌यो
जायगा; अने जेका कने नी हे, उकासे
जो कंई उका कने हे उ बी लई ल्यो
जायगा।"

बीज की मिसाल

२६उने क्यो, "परमेसर को राज असो हे
जसे कई को मनख जमीन पे बीज लाखे,
२७अने राते सोइ जाय अने दन माय
जागी जाय अने उ बीज अंकुर्‌या हुई
के बदे - उ जणो खुद नी जाणे के यो
कसे होय। **२८**जमीन अपणा आप फसल
उपजावे, पेलां अंकुर्‌या, उका बाद उम्बी,
अने फेर उम्बी माय तय्यार दाणा। **२९**†
पण जदे फसल पाकी जाय, तो उ झट

† **४.२१:** मत्ती ५.१५; लूका ११.३३ † **४.२२:** मत्ती १०.२६; लूका १२.२
† **४.२४:** मत्ती ७.२; लूका ६.३८ † **४.२५:** मत्ती १३.१२, २५.२९; लूका १९.२६
† **४.२९:** योएल ३.१३

दरांतो लगाय, क्योंके काटवा को बखत अई ग्यो।"

रंई का दाणा की मिसाल

(मत्ती १३.३१-३२,३४; लूका १३.१८-१९)

३०अने ईसु ने उणकासे क्यो, परमेसर का राज[r] को मिलाण हम किकासे करां, या कां की मिसाल से हम इको बखाण करां? **३१**उ रंई का बीज सरीको हे। जदे उ जमीन माय बोयो जाय हालाके जमीन का सगळा बीजहुंण से नानो रे, **३२**फेर बी जदे उ बोयो जावे तो उगी के बगीचा का सगळा झाड़हुंण से मोटो हुई जाय, अने उका माय मोटी-मोटी डगाळहुंण हिटे, जेकासे के असमान का पखेरु बी उका छायळा माय बसेरो करी सके हे।"

३३ईसु उणके असी नरी मिसाल से बचन सुणातो थो। जितरा वी समजी सकता था। **३४**अने उ मिसाल बिना उणकासे कइंनी बोलतो थो, पण एखला माय अपणा चेलाहुंण के सगळो कंई समजातो थो।

लेरहुंण अने अन्दी-दंदवाळ के थामणो

(मत्ती ८.२३-२७; लूका ८.२२-२५)

३५उणाज दन जदे सांज हुई तो उने उणकासे क्यो, "आव, हम उना पार चलां। **३६**अने भीड़ के छोड़ी के उणने जसो उ थो उके अपणा गेले नाव पे चड़ई ल्यो अने वां उणका गेले हजु बी नावहुंण थी। **३७**तो एक घणी तेज अन्दी-दंदवाळ अने लेरहुंण नाव से टकरांवां लागी यां तक के नाव माय पाणी भरावा लाग्यो। **३८**अने उ खुद नाव का पाछल्या हिस्सा माय गादी पे सोइर्‌यो र्‌यो थो, अने चेलाहुंण ने उके जगाड़्यो अने क्यो, "हे गरु, कंई थारे फिकर हयनी के हम नास हुई र्‌या हे?"

३९तो जागी जावा पे उने अन्दी-दंदवाळ के डांट्यो अने सरवर से क्यो, "सांत रे, थमी जा!" अने अन्दी-दंदवाळ थमी ग्यो अने सगळो कंई सांत हुई ग्यो। **४०**उने उणकासे क्यो, "तम इतरा डर्‌या होया कायसरु हो? या कसी बात के तमारा माय बिसास हयनी?

४१अने वी घणा डर्‌या होया अने माय-माय केवा लाग्या, "यो हे कुंण के अन्दी-दंदवाळ अने लेरहुंण बी उको हुकम माने हे?"

बायरबादा के हेड़णो

(मत्ती ८.२८-३४; लूका ८.२६-३९)

५ ईसु मसीह अने उका चेलाहुंण सरवर का पेलांपार गिरासेनियो का इलाका माय पोंच्या। **२**अने जदे ईसु नाव पे से उतर्‌यो तो झट एक जणो जेका माय बायरबादाहुंण थी, कबरहुंण माय से हिटी के उकासे मिळ्यो। **३**उ कबरहुंण माय रेतो थो, अने कईं को बी उके सांकळहुंण से बान्दी के नी राखी सकतो थो, **४**क्योंके डोल्डा अने सांकळहुंण से तो उके हमेस्या बान्द्‌यो थो, पण उ सांकळ के तोड़ी लाखतो, अने डोल्डाहुंण के बटका-बटका करी लाख्या करतो थो, अने कईं को इतरो ताकतवर नी थो के उके काबु माय करी लेतो। **५**उ लागाबन्दी से दन-रात

---

[r] **४.३०:** परमेसर का राज; सबद् भण्डार माय देखो।

कबरहुंण माय अने बळ्डा माय चिखतो अने भाटाहुंण से खुद के लोई लुवांण करतो थो।

६उ दूरा से ईसु के देखी के दोड़्यो, अने नमिके उके परणाम करवा लाग्यो। ७अने जोर से चिल्लाड़ी के उने क्यो, "परम परधान परमेसर को बेटो ईसु, म्हारे थार से कंई काम? हूं थारे परमेसर की सोगन दूं के म्हारे सताड़े मती!" ८क्योंके ईसु उकासे कई र्‌यो थो, "हे बुरी आतमा, इना मनख माय से हिटी जा!"

९ईसु ने उकासे पुछ्यो, "थारो नाम कंई हे?"

उने उकासे क्यो, "म्हारो नाम 'टोळो' हे; क्योंके हम नरा हे।" १०अने उने ईसु से गिड़गिड़ई के बिणती करी, के हमारे इना इलाका से बायरे मती मोकल।

११वां बळ्डा पे सुंवल्डाहुंण को एक मोटो टोळो चरी र्‌यो थो। १२अने उणने उकासे बिणती करिके क्यो, "हमारे उना सुंवल्डाहुंण माय मोकली दे के हम उणका माय भरई जावां।" १३उने उणके हुकम दई द्‌यो। बुरी आतमाहुंण उका माय से हिटी के सुंवल्डाहुंण माय भरई गी। अने सुंवल्डाहुंण को टोळो जो करीब दो हज्जार को थो कराड़ा पे से झप्ट्यो, अने सरवर माय पड़ी के डुबी मर्‌यो।

१४उणका ग्वाळाहुंण ने दोड़ी के नगर अने गांमहुंण माय यो समिचार सुणायो, अने जो कंई होयो थो उके लोग देखवा सरु १५ईसु कने आया, अने उना मनख के जेका माय बुरी आतमा थी याने उकेज जेका माय टोळो भरायो थो, लतरा पेर्‌यो अने सुदो बेठ्यो देख्यो अने वी डरी ग्या। १६जिणने यो देख्यो थो उणने बुरी आतमा से सताड़्या मनख अने सुंवल्डाहुंण का बारामें सगळो कंई जो होयो थो, उणके सुणायो।

१७लोगहुंण ईसु से अपणा इलाका माय से चल्या जावा सरु बिणती करवा लाग्या।

१८अने जदे उ नाव माय चड़वा लाग्यो तो उ मनख जो पेलां बुरी आतमा से सताड़्यो होयो थो बिणती करवा लाग्यो, के म्हारे अपणा गेले रेवा दे।

१९पण ईसु ने उके आवा नी द्‌यो अने क्यो, "अपणा लोगहुंण कने घरे जा अने उणके बताड़ के परभु ने थारा सरु कसा बड़ा काम कर्‌या हे, अने उने थार पे कसी दया करी।

२०उ चल्यो ग्यो अने दिकापुलिस जेके दस नगरहुंण को इलाको के हे का माय परचार करवा लाग्यो, के ईसु ने म्हारा सरु कसा बड़ा काम कर्‌या; अने सगळा अचरज करवा लाग्या।

मरी नानी अने बेमार बइरा

(मत्ती ९.१८-२६; लूका ८.४०-५६)

२१जदे ईसु नाव से पाछो उना पार ग्यो, तो एक बड़ीमेक भीड़ उका चारी-मेर भेळी हुई गी, अने उ सरवर का कराड़े रुकी ग्यो। २२फेर पराथनाघर का हाकिमहुंण माय याईर नामको एक जणो आयो अने ईसु के देख्यो अने उका पगे पड़ी ग्यो, २३अने गिड़गिड़ई के उकासे बिणती करिके केवा लाग्यो, "म्हारी नानी छोरी मरवा पे हे। किरपा करिके चली के उका पे हात धर के वा नज हुई जाय अने जिन्दी रे।"

२४ईसु उका गेले चल्यो, अने बड़ीमेक भीड़ बी उका पाछे चली पड़ी, यां तक के लोग उका पे हिटी पड़ता था।

२५एक बइरा थी जेके बारा बरस से
लोई बीवा की बेमारी थी, २६अने जेने
नरा बेदहुंण का हाते दुःख उठाड़्यो थो,
अने अपणो सगळो कंई खरच करवा पे
बी उके कंई फायदो नी होयो थो पण हजु
बेमार हुई गी थी। २७उने ईसु का बारामें
सुणी के, भीड़ माय से उका पाछे अई
के उका चोळा के हात लगाड़ी लाख्यो।
२८क्योंके वा केती थी, "अगर हूं उका
लतरा सेज चोंटी जउंवां तो नज हुई
जउंवां।"

२९अने झट उको लोई बिणो बन्द हुई
ग्यो, अने उने अपणी काया माय म्हेसुस
कर्‌यो के हूं अपणा रोग से नज हुई गी
हूं। ३०उनीज घड़ी ईसु ने यो म्हेसुस
कर्‌यो के म्हारा माय से सामरत हिटी हे,
उने भीड़ माय पाछे फरिके पुछ्यो म्हारा
लतरा से कुंण चोंट्यो?"

३१उका चेलाहुंण ने उकासे क्यो, "तू तो
देखीज र्‌यो के भीड़ थार पे हिटी पड़ी री
हे, अने तू के हे 'थार से कुंण चोंट्यो'?"

३२तो उने उनी बइरा के जेने यो कर्‌यो
थो देखवा सरु चारी-मेर नगे करी। ३३पण
वा बइरा जो कंई उका गेले होयो थो उके
जाणी के डरती अने धुजती हुई अई अने
उका सामे हिटी पड़ी, अने उने सगळो
कंई सांची-सांची बताड़ी द्‌यो। ३४ईसु ने
उकासे क्यो, "नानी, थारा बिसास ने थारे
नज कर्‌यो। खुसी से जा अने अपणी इनी
बेमारी से बची रे।"

३५उ या कई के जइज र्‌यो थो,
जदेज पराथनाघर का हाकिम का घरे से
लोगहुंण ने अई के क्यो, "अबे गरु के
हजु तकलीफ कायसरु दई र्‌यो - थारी
नानी तो मरी गी हे?"

३६पण ईसु ने उनी बात के सुणी ली[ऽ]
अने पराथनाघर का हाकिम से क्यो,
"डरे मती सिरप बिसास राख।" ३७अने
उने पतरस, अने याकूब अने याकूब का
भई योहन के छोड़ी के, दूसरा कइंका के
अपणा गेले आवा नी द्‌या। ३८अने वी
पराथनाघर का हाकिम का घरे आया, तो
उने लोगहुंण के मजमा लगाड़ता अने
जोर से रोता अने कळाप करता देख्या।
३९तो उने भित्तरे जई के उणकासे क्यो,
"कायसरु रोव अने बेदा करो? नानी मरी
हयनी पण सोइर्‌यो री हे।"

४०अने वी उकी मसकरी करवा लाग्या
पण सगळा के बायरे हेड़ी के नानी का
मां-बाप अने अपणा सातिहुंण के लई के
अने उनी उफरी पे जां नानी थी भित्तरे
ग्या। ४१अने नानी को हात पकड़ी के ईसु
ने उकासे क्यो, "तलीथा कूमी!" जेको
अरथ, हे नानी, हूं थार से कूं, उठ्‌या!"

४२अने नानी झट उठी के चलवा-फरवा
लागी, क्योंके वा बारा बरस की थी अने
वी घणा दंग रई ग्या। ४३उने उणके
काठो हुकम द्‌यो के इनी बात के कईं को
जाणणे नी पाय, अने उने क्यो, "नानी
के थोड़ोक खावा सरु द्‌यो जाय।"

ईसु अपणा नगर माय आयो

(मत्ती १३.५३-५८; लूका ४.१६-३०)

६ अने वां से हिटी के उ अपणा नगर
माय आयो, अने उका चेला उका
पाछे-पाछे चली पड़्या। २अने जदे सबत्

[ऽ] **५.३६** उनी बात के सुणी ली; याने उनी बात के ध्यान नी द्‌यो; या जोर से सुणी ल्यो।

को दन आयो तो ईसु पराथनाघर माय परबचन देवा लाग्यो, अने सगळा सुणवा वाळा दंग हुई के केवा लाग्या, इना मनख के ई बातहुंण कां से अइगी अने यो कसो ज्ञान जो इके द्‌यो, अने इका हात से कसा अचरज का काम परगट होय हे? ३कंई यो उज सुतार हयनी जो मरियम को बेटो अने जो याकूब, योसेस, यहूदा, अने सिमोन को भई कंई उकी बेनहुंण यां हमारा माय हयनी?" अने लोगहुंण ने उकी वजासे ठोकर खई।

४† ईसु ने उणकासे क्यो, "नबी के अपणा नगर अने परवार, अने अपणा घर का अलावा हजु कंई मान नी पड्‌यो जाय।

५थोड़ाक बेमारहुंण पे हात धरी के उणके नज करवा का अलावा उ वां हजु कईं को अचरज को काम नी करी सक्यो। ६ईसु के उणका अबिसास पे घणो अचरज होयो, फेर उ गांम-गांम परबचन देतो फर्‌यो।

ईसु ने अपणा चेलाहुंण के परचार सरु मोकल्या

(मत्ती १०.५-१५; लूका ९.१–६)

७बारा चेलाहुंण के तेड़ी के उने उणके दो-दो करिके अने बुरी आतमाहुंण पे हक दई के मोकल्या, ८† अने उणके हुकम द्‌यो के अपणी जातरा सरु वी लाकड़ी का अलावा हजु कइंनी ले; नी तो रोटा, नी झोळी, अने नी कमरपेटा माय पइसा, ९पण चप्पल पेरनो, अने यो बी क्यो, दो दो कमीज नी पेरनो।" १०ईसु ने उणकासे क्यो, "जां कंई तम कइंका घर माय जाव, तो नगर छोड़वा तक वांज रो। ११† अने जां तमारे लोग माने हयनी या तमारी नी सुणे, तो वां से हिटता बखत तम अपणा पग की पगथळिहुंण को धूळो झटकी लाखो के उणका बिरोद सरु गवई रे।"

१२अने उणने जई के परचार कर्‌यो के हिरदो बदळो। १३† अने वी नरी बुरी आतमाहुंण के हेड़वा अने नरा बेमारहुंण पे तेल मळी के उणके नज कर्‌या करता था।

हेरोदेस को बिचार: ईसु योहन हे

(मत्ती १४.१-१२; लूका ९.७-९)

१४† राजा हेरोदेस[t] ने बी ईसु का बारामें सुण्यो, क्योंके उको नाम परसिद्द हुई चुक्यो थो; अने लोग या कई र्‌या था, "योहन बपतिसमा देवा वाळो मर्‌या माय से जी उठ्‌यो, इकासरु ई ताकतहुंण उका माय काम करी री हे।"

१५पण थोड़ाक लोग कई र्‌या था, उ एलियाह नबी[u] हे।"

अने दूसरा कई र्‌या था, उ नबी हे, पुराणा बखत का नबिहुंण सरीको एक।"

१६पण जदे हेरोदेस राजा ने यो सुण्यो तो उ केतो र्‌यो, योहन जेको माथो म्हने कटवाड़्यो, जी उठ्‌यो हे।"

---

[t] **६.१४** राजा हेरोदेस; हेरोदेस अन्तिपास; गलील इलाका को राजो। [u] **६.१५** एलियाह नबी; एक असो मनख जो ईसु मसीह से नरा साल पेलां होयो थो अने उ परमेसर का बारामें लोगहुंण के बताड़तो थो।

† **६.४:** योहन ४.४४ † **६.८–११:** लूका १०.४–११ † **६.११:** परेरितहुंण १३.५१
† **६.१३:** याकूब ५.१४ † **६.१४–१५:** मत्ती १६.१४; मरकुस ८.२८; लूका ९.१९

बपतिसमा देवा वाळा योहन की हत्या

(मती १४.१-१२; लूका ९.७-९)

१७[†] हेरोदेस ने तो खुद लोगहुंण के
मोकली के योहन के पकड़वायो अने
जेळ माय लाखी द्‌यो थो, क्योंके हेरोदेस
ने अपणा भई फिलिप्पुस की घराळी
हेरोदियास से ब्याव कर्‌यो थो। **१८**योहन
तो हेरोदेस से क्या करतो थो, "थारे
अपणा भई की घराळी के राखणो थारा
सरु नेम-बिधान मुजब हयनी।"
१९तो हेरोदियास उकासे बेर राखती थी
अने चाती थी के उके मरवई लाखे; पण
असो नी करी सकी, **२०**क्योंके हेरोदेस या
जाणी के योहन से डरतो थो के उ एक
धरमी अने पवित्तर जणो हे, अने उकी
रक्सा करतो थो। अने जदे उ योहन की
सुणतो थो तो घणो घबरई जातो थो, फेर
बी खुसी से सुण्या करतो थो।
२१अने ठीक मोको जदे आयो
जदे हेरोदेस ने अपणा जनम दन पे
परधानहुंण, सेनापतिहुंण अने गलील का
खास मनखहुंण के भोज माय नोत्या
था। **२२**अने जदे खुद हेरोदियास की बेटी[ᵛ]
भित्तरे अई के नाची अने उने हेरोदेस
अने उका पांमणाहुंण के खुस कर्‌या, जदे
राजा ने राजकुमारी से क्यो, "तू जो चावे
म्हार से मांग, हूं थारे दूंवां।" **२३**अने उने
सोगन खई के क्यो, "तू म्हार से आदो
राज तक मांगिले, हूं थारे दूंवां।"
२४उने बायरे जई के अपणी मेतारी
हेरोदियास से पुछ्‌यो, "हूं कंई मांगू?"
मेतारी ने क्यो, "योहन बपतिसमा देवा
वाळा को माथो!"
२५वा झट दोड़ती हुई राजा कने भित्तरे
अई के बिणती करवा लागी, "हूं चउं के
तू योहन बपतिसमा देवा वाळा को माथो
एक परात माय धरी के अबी म्हारे दई
दे।"
२६जदके राजो घणो उदास होयो, फेर
बी अपणी सोगन अने दरबारिहुंण की
वजासे उ उकी बिणती के टाळी नी
सकतो थो। **२७**राजा ने झट एक जल्लाद
के मोकल्यो अने हुकम द्‌यो के उको
माथो काटी ल्याय। उने जई के जेळ माय
उको माथो काट्‌यो, **२८**अने उके परात
माय धर्‌यो अने लई के राजकुमारी के
द्‌यो अने राजकुमारी ने अपणी मेतारी
के। **२९**जदे योहन का चेलाहुंण ने यो
सुण्यो तो जई के उकी लोथ के लई ग्या
अने उके कबर माय धरी।

ईसु ने पांच हज्जार लोगहुंण के जिमाड़्या

(मती १४.१३-२१; लूका ९.१०-१७; योहन ६.१-१४)

३०परेरितहुंण ईसु कने अई के भेळा
होया अने जो कंई उणने कर्‌यो अने
सीखाड़्यो थो, सगळा को बखाण कर्‌यो।
३१ईसु ने उणकासे क्यो, "आव, अने
एखला माय चली के थोड़ोक-घणो अराम
करी लो" - क्योंके वां नरा लोग अइ-जई
र्‌या था, यां तक के उणके जिमवा को बी
मोको नी मिळतो थो। **३२**तो वी एखला
नाव पे चड़िके बियाबान माय चल्या ग्या।

[ᵛ] **६.२२** हेरोदियास की बेटी; कई लेखहुंण माय असो लिखो हे उकी बेटी हेरोदियास।

[†] **६.१७–१८:** लूका ३.१९–२०

३३अने लोगहुंण ने उणके जाता देख्या
अने नरा ने उणके ओळखी ल्या, अने
सगळा नगर से लोग पगेपग दोड़ी
के उणकासे पेलांज उनी जगा पे जई
पोंच्या। **३४**† अने नाव से उतरी के उने
बड़ीमेक भीड़ के देखी अने उणका पे
उके तरस आयो क्योंके वी बिना ग्वाळा
की गाडरहुंण सरीका था जिणको कईं
को रखवाळो नी रे; अने उ उणके नरी
बातहुंण सीखाड़वा लाग्यो। **३५**जदे दन
नरो अथणी ग्यो तो उका चेला उका
कने आया अने केवा लाग्या, "या जगा
बिराण हे अने दन नरो अथणी चुक्यो
हे; **३६**इणके जावा दे के वी ऐरे-मेरे की
बस्तिहुंण अने गांमहुंण माय जई के
अपणा सरु कंई खावा को मोल लई ले।"

३७पण उने जुवाब दई के क्यो,
"तमीज उणके कंई खावा बले दो!"

उणने उका से क्यो, "कंई हम जई के
दो सो चांदी का सिक्काहुंण[w] का रोटा
मोल लांवां अने इणके खावा सरु दां?"

३८उने उणकासे क्यो, "तमारा कने
कितरा रोटाहुंण हे? जई के देखो।

उणने मालम करिके क्यो, "पांच - अने
दो मच्छीहुंण।"

३९अने उने सगळा के हुकम द्यो के
जिमवा सरु पंगत माय लिल्ली घांस पे
बेठी जाय। **४०**अने लोग पचास-पचास
अने सो-सो की पंगतहुंण माय बेठ्या।
४१उने पांच रोटा अने दो मच्छीहुंण के
लई अने सरग आड़ी देखता होया उणका
पे आसीस मांगी अने रोटा तोड़्या अने
चेलाहुंण के द्या के वी उणके बांटे। अने
उने दो मच्छीहुंण के बी उना सगळा
मनख माय बांटी लाखी। **४२**अने उण
सगळा ने धापी के खायो **४३**अने रोटा
का कोळ्या अने मच्छी से भर्‌या होया
बारा टोपळाहुंण उठाड़्या। **४४**अने रोटा
खावा वाळा मनखहुंण की गिणती पांच
हज्जार थी।

ईसु पाणी पे चल्यो

(मत्ती १४.२२-३३; योहन ६.१५-२१)

४५तो उने झट चेलाहुंण के नाव पे
चड़वा अने अपणा से पेलां बेतसेदा का
दूसरा आड़ी जावा को क्यो, जदके उ खुद
भीड़ के बिदा करवा लाग्यो। **४६**अने जदे
उ उणके बिदा करी चुक्यो तो उ परबत
पे पराथना करवा सरु चल्यो ग्यो। **४७**जदे
सांज हुई तो नाव सरवर का अदाड़ माय
थी, अने ईसु कराड़ा पे एखलो थो। **४८**जदे
उने उणके घणा म्हेनत से खेता देख्यो,
क्योंके बायरो उणका सामे को थो, तो
रात का करीब चोथा पेर ईसु उणका
कने सरवर का पाणी पे चलतो होयो
आयो, अने उणका से अगड़े हिटणो
चायो[x] **४९**पण जदे उणने उके सरवर पे
चलतो देख्यो तो समज्या के भूत हे अने
चिल्लाड़ी उठ्या: **५०**क्योंके सगळा ने उके
देख्यो अने डरी ग्या था

पण उने झट उणकासे बातहुंण करी
अने क्यो, "हिम्मत राखो: हूं हे, डरो
मती।" **५१**तो उ उणका साते नाव पे
चड़ी ग्यो, अने अन्दी-दंदवाळ थमी ग्यो,

---

[w] **६.३७** चांदी का सिक्काहुंण; एक चांदी को सिक्को एक दन की मजुरी थो। (देखो मत्ती २०.२)।

[x] **६.४८** उणका से अगड़े हिटणो चायो; या उणका माय भेळो होणो।

[†] **६.३४:** गिणती २७.१७; १ राजा २२.१७; २ इतयास १८.१६; यहेजकेल ३४.५; मत्ती ९.३६

अने वी घणा दंग होया, ५२क्योंके रोटा की घटणा से कइंनी समज्या था क्योंके उणका हिरदा काठा हुई ग्या था।

ईसु गन्नेसरत माय बेमारहुंण के नज करे

(मत्ती १४.३४–३६)

५३तो वी पार हुई के गन्नेसरत का कराड़ा पे पोंची के घाट पे नाव लगाड़ी ५४अने जदे वी नाव से उतर्‌या, तो लोगहुंण ने झट उके पेचाणी ल्यो, ५५अने आखा परदेस माय चारी आड़ी जां बी सुण्यो के उ हे, उनी-उनी जगा पे दोड़ी-दोड़ी के बेमारहुंण के खाट पे ल्या फर्‌या। ५६अने गांमहुंण, नगरहुंण या बस्तिहुंण माय जां कंई उ जातो थो, लोग बेमारहुंण के हाट-बजार माय राखी के उकासे बिणती करता था के उ उणके अपणा लतरा का किनोर सेज चोंटवा दे; अने जितरा उकासे चोंटता था, वी नज हुई जाता था।

मनख नेम से परमेसर को नेम-बिधान म्हान हे

(मत्ती १५.१-९)

७ तो फरीसी अने थोड़ाक सासतरी जो यरुसलेम से आया था ईसु का चारी-मेर भेळा होया। २अने उणने ईसु का कंई-कइंका चेलाहुंण के (जसो रिवाज थो के खावा से पेलां हात धोणो चाय) बिना हात धोया रोटा खाता देख्या।

३(क्योंके फरीसी अने सगळा यहूदी तदत्तक नी खाता था जदत्तक के वी अच्छी-तरा हात धोई नी लेता था; अने असतरा वी पूरखाहुंण की रीति पे चलता था - ४जदे वी हाट-बजार से आवे, तो जदत्तक खुद के पाणी से साफ नी करी ले, जिमता नी था;[y] अने असा नरा दूसरा रीति-रिवाज बी उणके पाळण करवा सरु मिळ्या था, जसेके, बाटकाहुंण, गागर्‌याहुंण, तांबा का ठामड़ाहुंण के धोणा अने मांजणा।)

५फरीसिहुंण अने सासतरिहुंण ने उकासे पुछ्यो, "असो कंई हे के थारा चेला पूरखाहुंण की रीति मुजब नी चले अने बिना धोया हात से रोटा खाय हे?"

६[†] उने उणकासे क्यो, "यसायाह नबी[z] ने तमारा ढोंगीहुंण सरु ठीकज भविसबाणी करी थी, जसो के लिख्यो हे,

'ई लोग होंटहुंण से तो म्हारो मान
राखे,
पण इणका हिरदा म्हार से दूरा
रे।
७[†] ई बेकार म्हारी उपासणा करे,
अने मनखहुंण की सीखहुंण के
धरम का सिद्दांत करिके सीखाड़े
हे।'

८परमेसर को हुकम टाळी के तम मनखहुंण की रीति को पाळण करो हो।"

९उने उणकासे यो बी क्यो, "तम अपणी रीति को पाळण करवा सरु

---

[y] **७.४** खुद के पाणी से साफ नी करी ले, जिमता नी था; या जदे बी कईं हाट-बजार माय से आतो थो तो सगळा से पेलां उ पाणी से सुद्द करतो थो। [z] **७.६** यसायाह नबी; ईसु मसीह से करीब ७५० सो बरस पेलां यहूदिहुंण को जूनो नबी थो।

[†] **७.६–७:** यसायाह २९.१३ [†] **७.७:** यसायाह २९.१३

परमेसर को हुकम कितरी अच्छी तरा टाळी दो हो! १०† क्योंके मूसा ने क्यो, 'अपणा पिता अने अपणी मेतारी को मान राखजो'; अने जो कई को पिता अने मेतारी के बुरो के, ठ मारी लाख्यो जाय।' ११पण तम को हो, अगर कई को मनख अपणा पिता अने अपणी मेतारी से के, 'म्हार से तमारे जो कंई बी फायदो हुई सकतो थो ठ "बलिदान" याने परमेसर के दई द्‌यो हे,' १२तो तम असा मनख के ठका पिता अने मेतारी सरु कंई बी करवा नी दो,' १३असतरा तम परमेसर का बचन के अपणी रीति से जो तमने ठेरई टाळो हो अने तम नरो असोज काम करो हो।"

मनख के असुद्द बणावा वाळी चीजहुंण

(मत्ती १५.१०-२०)

१४अने भीड़ के पाछी अपणा कने बुलाड़ी के, ईसु लोगहुंण से केवा लाग्यो, "तम अबे म्हारी सुणो अने समजो: १५असी कइंकी चीज हयनी जो मनख माय बायरे से भरई के ठके खराब करे; पण जो चीजहुंण मनख माय से बायरे हिटे हे, वीज हे जो ठके खराब करे हे। १६(अगर कइंका का सुणवा का कान होय तो सुणी ले।)"[a]

१७अने जदे भीड़ के छोड़ी के ठ घर माय आयो, तो ठका चेलाहुंण ने इनी मिसाल का बारामें ठकासे पुछ्‌यो। १८ठने ठणकासे क्यो, "कंई तम इतरी बी समज नी राखो? कंई तम नी देखो के जो कंई बायरे से मनख माय जाय हे, ठ ठके खराब नी करी सकतो? १९क्योंके ठ ठका हिरदा माय नी पण ठका पेट माय जाय अने ठ बायरे हिटी जाय"। (असतरा ठने सगळी जिमवा की चीजहुंण के सुद्द ठेरई)

२०फेर ठने क्यो, "जो मनख माय से हिटे ठज मनख के खराब करे। २१क्योंके भित्तरे से याने मनखहुंण का हिरदा माय से बुरा बिचार, ब्योबिचार, चोरीपणो, घात, परई नार, २२लोभ, अने बुरा काम अने दुस्टता, छळ-कपट, अनेती, जळण, चुगली, गुमान, निंदा, गुमान अने मूरखता हिटे हे। २३ई सगळी बुरइहुंण भित्तरे से हिटे हे अने मनख के खराब करे हे।"

गेर यहूदी बइरा की मदद

(मत्ती १५.२१-२८)

२४अने वां से ठठी के ईसु सूर अने सेदा का इलाका आड़ी चल्यो ग्यो। अने जदे ठ एक घर माय ग्यो तो नी चातो थो के कई को यो जाणे; फेर बी ठ छिपी नी सक्यो। २५पण ठका बारामें सुणी के एक बइरा जेकी नानी बेटी माय बायरबादा थी, झट अई के ठका पग पे हिटी पड़ी। २६या बइरा यूनानी अने सुरुफिनीकी जात की थी। अने वा ठकासे घड़ी-घड़ी बिणती करवा लागी के म्हारी नानी माय से बुरी आतमा हेड़ी दे। २७ईसु ने ठकासे क्यो, "पेलां बाळकहुंण के धापवा दे, क्योंके बाळकहुंण का रोटा लई के कुतराहुंण का अगड़े लाखणो ठीक हयनी।"

---

[a] **७.१५** थोड़ाक मूळ लेख माय १६ आयत के जोड़ी हे। (देखो ४.२३)।

† **७.१०:** निरगमन २०.१२, २१.१७; लेव्यव्यवस्था २०.९; नेम-बिधान ५.१६

२८पण उने जुवाब द्यो, "सांची परभु,
पण खावा की जगा से कुतरा बी तो
बाळकहुंण का ऐंठवाड़ा पे पळे हे।
२९ईसु ने उकासे क्यो, "इना जुवाब का
वजासे चली जा, बायरबादा थारी नानी
माय से हिटी गी हे।"
३०अने घरे अई के उने देख्यो के नानी
बिछावणा पे पड़ी हुई हे अने बुरी आतमा
उका माय से हिटी चुकी हे।

बेर्‌यो-गुंगो सुणवा बोलवा लाग्यो

३१तो ईसु फेर सूर का परदेस से
हिटी के सेदा का इलाका माय होतो
होयो गलील का सरवर पे आयो जो
दिकापुलिस नगर का इलाका माय हे।
३२अने वी उका कने एक मनख के
लाया जो बेर्‌यो थो अने मुसकिल से
बोलतो थो, बेर्‌या ने ईसु से बिणती
करी, के उका पे अपणो हात धरे।
३३उने उके भीड़ से इकाड़ी एखला
माय लइ-जई के अपणी अंगळी उका
कानहुंण माय लाखी, अने उने थुंक्यो
अने उना मनख की जीब के अंगळी
लगाड़ी; ३४अने सरग आड़ी आह भरी
के देखता होया उना मनख से क्यो,
"इप्फत्तह!" याने "खुली जा!"
३५अने उका कान खुली ग्या, अने
उकी जीब की गठाण खुली गी, अने
उ सई बोलवा लाग्यो। ३६तो उने उणके
हुकम द्यो कइंका के मती बतावजो;
पण जितरो उ मना करतो र्‌यो, इका
से बी जादा वी उको परचार करवा
लाग्या। ३७वी घणा दंग हुई के केवा
लाग्या, "इने जो कंई कर्‌यो अच्छो
कर्‌यो; उ बेर्‌याहुंण के बी सुणवा की
अने गुंगाहुंण के बोलवा की ताकत
दे हे।"

चार हज्जार के जिमाड़णो

(मती १५.३२-३९)

८ उना दनहुंण माय फेर जदे एक
बड़ीमेक भीड़ भेळी हुई अने उणका
कने खावा सरु कइंनी थो, तो ईसु ने
अपणा चेलाहुंण के तेड़ी के उणकासे
क्यो, २"म्हारे इनी भीड़ पे तरस आय
हे, क्योंके ई लोग म्हारा साते तीन दन
से हे, अने इणका कने खावा सरु कइंबी
हयनी। ३इणके भूकाज घरे मोकली दूं,
तो ई बाट मायज थकी के री जायगा,
अने इणका माय से थोड़ाक तो नरी दूरा
से आया हे।"
४उका चेलाहुंण ने जुवाब द्यो, "इणके
धपाड़वा सरु इना मांळ माय कईं को
इतरा रोटा कां से लई सके?"
५उने उणकासे पुछ्यो, "तमारा कने
कितरा रोटा हे?"
उणने क्यो, "सात"
६तो उने भीड़ के जमीन पे बेठवा की
क्यो, अने उने सात रोटाहुंण के लई
के परमेसर से आसीस मांगी अने रोटा
का बटका करिके लोगहुंण के परोसवा
सरु चेलाहुंण के देतो ग्यो अने उणने
भीड़ माय परोस्या। ७उणका कने थोड़िक
मच्छीहुंण बी थी; उने उणका पे बी
आसीस मांगी के उणके बी लोगहुंण
माय बांटवा की क्यो। ८अने वी खई
के धापी ग्या, अने उणने बच्या होया
कोळ्या से भर्‌या सात टोपला उठाड़्या।
९अने वां करीब चार हज्जार लोग था।
ईसु ने उणके बिदा कर्‌या, १०अने उ झट

अपणा चेलाहुंण का साते नाव पे चड़िके दलमनूता परदेस आड़ी चल्यो ग्यो।

फरीसिहुंण ईसु के फंसाणो चाता था

(मत्ती १२.३८-४२; १६.१-४)

११[†] फेर फरीसी अई के ईसु से बिवाद करवा लाग्या, अने उके अजमाणे सरु उणने उकासे सरग की सेलाणी मांगी। **१२**[†] उने अपणी आतमा माय गेरी सांस खेंची के क्यो, "इनी पीढ़ी का लोग सेलाणी कायसरु ढुंडे? हूं तमार से सांची कूं, इनी पीढ़ी के कइंकी सेलाणी नी दई जायगा।"

१३अने उ उणके छोड़ी के पाछो नाव पे चड़्यो अने दूसरा आड़ी का कराड़ा पे चल्यो ग्यो।

यहूदी अगवाहुंण के ईसु की चेतावणी

(मत्ती १६.५-१२)

१४अने वी रोटा लेणो भुली ग्या था, नाव माय उणका कने सिरप एकज रोटो थो। **१५**[†] ईसु ने उणके चेतावणी देता होया क्यो, "देखो, फरीसिहुंण का खमीर[b] अने हेरोदेस का खमीर से होसियार री जो।"

१६अने वी रोटा नी होवा का बारामें माय-माय बात-चित करवा लाग्या।

१७ईसु ने यो जाणी के उणकासे क्यो, "तम इना सोंच-बिचार माय कायसरु पड़ी ग्या के तमारा कने रोटा हयनी? कंई तम अब तक नी देख्यो या समज्यो हयनी, कंई तमारा हिरदा काठा नी हुई ग्या? **१८**[†] आंखहुंण होता होया कंई तम नी देखो? अने कान होता होया कंई तम नी सुणो? अने कंई तम रियाद नी करो? **१९**जदे म्हने पांच हज्जार सरु पांच रोटा तोड़्या था, तो तमने कोळ्या से भरी बड़ी-बड़ी कितरी टोपलाहुंण उठाड़ी थी?"

चेलाहुंण ने उकासे क्यो, "बारा"

२०"अने जदे म्हने चार हज्जार सरु सात रोटा तोड़्या था जदे तमने कोळ्या से भरी कितरी टोपलाहुंण उठाड़ी थी?"

उणने उकासे क्यो, "सात।"

२१उने उणकासे क्यो, "कंई तम अबे बी नी समज्या?"

आंदा के आंखहुंण

२२वी बेतसेदा आड़ी आया अने लोग एक आंदा के उका कने लाया अने उकासे बिणती करिके क्यो आंदा के हात लगाड़। **२३**ईसु आंदा को हात पकड़ी के उके गांम से बायरे लई ग्यो अने उकी आंखहुंण पे थुंक्यो अने उका पे अपणो हात धरी के उकासे पुछ्यो, "कंई थारे थोड़ोक नगे अई र्‌यो?"

२४आंदा ने अदरे देखी के क्यो, "हूं मनखहुंण के देखी र्‌यो हूं, पण वी म्हारे चलता-फरता झाड़का सरीका नगे आय हे।"

२५तो उने पाछो उकी आंखहुंण पे हात धर्‌यो अने उ कोतुक से देखवा लाग्यो, अने उके पाछी देखवा की सकती मिळी,

---

[b] **८.१५** फरीसिहुंण का खमीर; फरीसी अने हेरोदियासहुंण की खराब सीख मनख के खराब करे जसेके खमीर से आखो आंटो खमीर हुई जाय वसेज इणकी सीख से सगळो बिगड़ी जाय।

[†] **८.११:** मत्ती १२.३८; लूका ११.१६ [†] **८.१२:** मत्ती १२.३९; लूका ११.२९ [†] **८.१५:** लूका १२.१

[†] **८.१८:** यरमियाह ५.२१; यहेजकेल १२.२; मरकुस ४.१२

अने ऊ सगळो कंई साफ-साफ देखवा लाग्यो। २६ईसु ने ऊके यो कई के घरे मोकल्यो, "इना गांम माय पग मती धरजे।"

पतरस ने मान्यो के ईसु परमेसर को बेटो हे

(मती १६.१३-२०; लूका ९.१८-२१)

२७अने ईसु अपणा चेलाहुंण का गेले केसरिया फिलिप्पी का गांम माय ग्यो। रस्ता माय ऊने अपणा चेलाहुंण से यो पुछ्यो, "लोग म्हारे कंई के हे - हूं कुंण हूं?"

२८† ऊणने क्यो, "योहन बपतिसमा देवा वाळो, अने थोड़ाक लोग एलियाह[c] के हे अने थोड़ाक दूसरा लोगहुंण का मुजब नबिहुंण माय को एक।"

२९† अने ईसु ऊणकासे सवाल करतो र्‌यो, "पण तम कंई को हो? हूं कुंण हूं?"

पतरस ने जुवाब दई के क्यो, "तू मसीह[d] हे।"

३०तो ऊने ऊणके चेताड़्यो के वी ऊका बारामें कइंका से नी के।

ईसु ने दुःख भोगवा अने मार्‌या जावा की बात करी

(मती १६.२१–२८; लूका ८.२२–२७)

३१तो ऊ ऊणके परबचन देवा लाग्यो के जरुरी हे के मनख को बेटो नरो दुःख भोगे अने बुड़ा-हाड़ाहुंण, मुख-पुरोहितहुंण अने सासतरिहुंण से मान पाड़्यो जाय अने मारी लाख्यो जाय अने तीन दन पाछे जिन्दो हुई जाय। ३२ऊ या बात साफ रुप से कई र्‌यो थो। इका पे पतरस ऊके इकाड़ी लइ-जई के झिड़कवा लाग्यो, ३३पण ऊने फरिके चेलाहुंण आड़ी देख्यो अने पतरस के डांटी के क्यो, "हे सेतान म्हारा अगड़े से इकाड़ी हुई जा। तू तो परमेसर की बातहुंण पे नी पण मनखहुंण की बातहुंण पे हिरदो लगाड़े हे।"

३४† ऊने भीड़ समेत चेलाहुंण के कने बुलाड़्या अने लोगहुंण से क्यो, "अगर कईं को म्हारा पाछे आणो चावे तो ऊ अपणे खुद के नकारे, अने अपणो कुरुस ऊठई के, म्हारा पाछे चल्यो-चले। ३५† क्योंके जो अपणो पराण बचाड़णो चावे ऊ ऊके खोयगा; पण जो कईं को म्हारा अने सुब-समिचार सरु अपणो पराण खोय, ऊ ऊके बचाड़ेगा। ३६क्योंके अगर मनख आखा जग के पई ले अने अपणा पराण के खोय तो ऊके कंई फायदो? ३७अने मनख अपणा पराण का एवज माय कंई देगा? ३८इकासरु जो कईं को इनी ब्योबिचारी अने पापी पीढ़ी माय म्हार से अने म्हारा बचन से लजाड़ेगा, हूं मनख को बेटो बी, जदे अपणा पिता की म्हेमा माय पवित्तर सरगदूतहुंण का गेले अऊंवां तो हूं ऊणकासे बी लजऊंवां।"

९ ईसु ने ऊणकासे यो बी क्यो, "हूं तमार से सांची कूं, यां जो ऊब्या हे ऊणका माय से नरा लोगहुंण मोत को सुवाद नी चाखेगा जदत्तक के परमेसर

---

[c] **८.२८** एलियाह; ईसु से करीब ८७४ साल पेलां इसराइल को नबी जेके परमेसर ने रथ समेत सरग पे तोकी ल्यो थो। [d] **८.२९** मसीह; सबद् भण्डार माय देखो।

† **८.२८:** मरकुस ६.१४–१५; लूका ९.७–८ † **८.२९:** योहन ६.६८–६९

† **८.३४:** मत्ती १०.३८; लूका १४.२७ † **८.३५:** मत्ती १०.३९; लूका १७.३३; योहन १२.२५

का राज के सामरत समेत आयो होयो नी देखी लेगा।"

ईसु का गेले मूसा अने एलियाह का दरसन

(मत्ती १७.१-१३; लूका ९.२८-३६)

२[†] ईसु छेः दन पाछे पतरस अने याकूब अने योहन के अपणा गेले ल्यो अने एखला माय कइंका एक उंचा परबत पे लई ग्यो; अने उणका सामे उको रुप बदळ्यो। **३**अने उका लतरा इतरा उजळा अने धोळा हुई ग्या जितरा के धरती को कईं को धोबी बी धोळो नी करी सके। **४**अने मूसा नबी[e] का गेले उणके एलियाह नबी नगे आयो, अने दोई ईसु से बात-चित करी र्‌या था। **५**पतरस ने ईसु से क्यो, "हे रब्बी (गरु) हमारा सरु यां रेणो अच्छो हे; हम यां तीन डेरा बणावां, एक थारा सरु, एक मूसा सरु, अने एक एलियाह सरु।" **६**उ समजी नी र्‌यो थो के कंई कई र्‌यो हे, क्योंके वी घणा डरी ग्या था।

७[†] तो एक बादळो उठ्‌यो जेने उणके छई ल्यो, अने उना बादळा माय से या अवाज अई, "यो म्हारो परमिलो बेटो हे, इकी सुणो।" **८**जदे उणने एक दम चारी-मेर नगे फेरी तो अपणा गेले ईसु का अलावा दूसरा कइंका के नी देख्यो।

९जदे वी परबत पे से निच्चे उतरी र्‌या था तो उने उणके हुकम द्‌यो के जदत्तक हूं मनख को बेटो मर्‌या माय से जीवतो नी हुई जउं तदत्तक जो कंई तमने देख्यो उके कइंका से किजो मती।

१०अने वी इनी बात के लई के माय-माय तरक-बितरक करवा लाग्या के मर्‌या माय से जी उठवा को अरथ कंई हुई सके। **११**[†] अने वी उकासे यो कई के पुछवा लाग्या, "सासतरी कायसरु के हे, के एलियाह नबी के पेलां आणो जरुरी हे।"

१२उने उणकासे क्यो, "एलियाह नबी के पेलां अई के सगळो कंई सुदारणो थो। फेर बी हूं मनख का बेटा सरु यो कायसरु लिख्यो के उ घणो दुःख उठाड़ेगा अने नकार्‌यो जायगा। **१३**पण हूं तमार से सांची कूं, के एलियाह नबी सांची माय अई चुक्यो, अने जसो उका बारामें लिख्यो लोगहुंण ने जो चायो उका गेले कर्‌यो।"

मिरगी का बेमार के नज करनों

(मत्ती १७.१४-२१; लूका ९.३७-४३अ)

१४अने जदे वी चेलाहुंण कने पाछा आया तो वां देख्यो के उणका चारी-मेर बड़ीमेक भीड़ लागी हे अने थोड़ाक सासतरी उणका से बिवाद करी र्‌या हे। **१५**पण जदे भीड़ ने ईसु के देख्यो तो सगळा लोग दंग रई ग्या अने दोड़ी के उणने उके नमसकार कर्‌यो। **१६**उने पुछ्‌यो, "तम उणका गेले कंई बिवाद करी र्‌या हो?"

१७भीड़ माय से एक ने जुवाब द्‌यो, "हे गरु, हूं थारा कने अपणा बेटा के

---

[e] **९.४** मूसा नबी; १४०० साल पेलां परमेसर मूसा नबी से इसराइलहुंण के मिसर देस की गुलामी से आजाद कर्‌या अने उका बाद यहोसू नबी ने कनान देस माय इसराइलहुंण के बसाड़्या।

[†] **९.२–७:** २ पतरस १.१७–१८ [†] **९.७:** मत्ती ३.१७; मरकुस १.११; लूका ३.२२

[†] **९.११:** मलाकी ४.५; मत्ती ११.१४

लायो हूं, जेका माय असी आतमा समई हे जो ऊके गुंगो बणई लाखे हे; **१८**अने जदे कदी ऊके पकड़े तो जमीन पे पटकी लाखे अने ऊ मुन्डा माय झाग भरी लाय अने दांत पिसे अने ऐंठई जाय। म्हने थारा चेलाहुंण से ऊके हेड़वा की क्यो पण वी ऊके नी हेड़ी सक्या।"

१९ऊने जुवाब देता होया ऊणकासे क्यो, "हे कमबिसासी पीढ़ी का लोगहुंण, हूं कदत्तक तमारा गेले रुंवां? हूं कदत्तक तमारी सउंवां? नाना के म्हारा कने ल्याव।" **२०**वी नाना के ऊका कने ल्याया।

अने जदे ऊने ऊके देख्यो तो झट ऊनी आतमा ने ऊके मरोड़्यो अने ऊ जमीन पे पड़ी के मुन्डा से झाग हेड़वा अने अंई-वंई रड़कवा लाग्यो। **२१**तो ऊने ऊका पिता से पुछ्यो,

"इके कद से असो हुई र्‌यो हे?" ऊने जुवाब द्‌यो, "नानपण सेज। **२२**ऊने इके नास करवा सरु कदी लाय माय तो कदी पाणी माय पटक्यो। पण अगर तू कंई करी सके तो हमार पे तरस खई के हमारी मदद कर।"

२३ईसु ने ऊकासे क्यो, "कंई? अगर तू करी सके!' बिसास करवा वाळा सरु सगळो कंई सबगो हे।"

२४नाना का पिता ने झट चिल्लाड़ी के क्यो, "हूं बिसास करूं, म्हारा कमबिसास को इलाज कर।"

२५जदे ईसु ने देख्यो के भीड़ बड़ती जई री तो ऊने बुरी आतमा के या कई के फटकारी, "ऐ गुंगी अने बेरी आतमा, हूं थारे हुकम दउं के इका माय से हिट्‌या अने फेर कदी इका माय मती भराजे।"

२६अने वा चिल्लाड़ी के अने ऊके घणो मरोड़ी के ऊका माय से हिटी गी; अने नानो असो मर्‌यो सरीको हुई ग्यो के ऊणका माय से नरा ने क्यो, "ऊ तो मरी ग्यो" **२७**पण ईसु ने ऊको हात पकड़ी के ऊके ऊठाड़्यो अने ऊ ऊबो ऊठ्‌यायो।

२८जदे ईसु घर माय आयो, तो ऊका चेला एखला माय ऊकासे पुछवा लाग्या, "हम ऊके कायसरु हेड़ी नी सक्या?"

२९ऊने ऊणकासे क्यो, "असतरा की ई बुरी आतमाहुंण की जात पराथना का अलावा दूसरा कइंका ऊपाव से नी हिटी सके।"

अपणी मोत का बारामें ईसु का बिचार

(मत्ती १७.२२-२३; लूका ९.४३ब-४५)

३०फेर वी वां से हिट्‌या अने गलील इलाका माय से हुई के जावा लाग्या। ऊ नी चातो थो के कइंका के इको पतो चले। **३१**क्योंके ऊ अपणा चेलाहुंण के सीख दई र्‌यो थो अने ऊणके बताड़ी र्‌यो थो, "हूं मनख को बेटो, मनखहुंण का हाते पकड़वायो जउंवां, अने वी म्हारे मारी लाखेगा; पण मरी जावा का तीन दन बाद हूं जिन्दो हुई जउंवां।"

३२पण वी या बात के नी समजी सक्या अने ऊकासे पुछवा से डरता था।

सगळा से मोटो कुंण

(मत्ती १८.१-५; लूका ९.४६-४८)

३३फेर वी कफरनहूम नगर माय पोंच्या, अने जदे ऊ घर माय थो तो ऊने ऊणकासे पुछ्यो, "बाट माय तम कंई बिवाद करी र्‌या था?"

३४† पण वी छाना र्‍या, क्योंके बाट माय उणने बिवाद कर्‍यो थो के हमार माय से मोटो कुंण हे। **३५**† बेठवा का बाद उने बारा चेलाहुंण के तेड़्या अने उणकासे क्यो, "अगर कईं को पेलो बणणो चावे तो सगळा से पछात्यो अने सगळा को सेवक बणे।" **३६**जदे उने एक बाळक के लई के उणका अदाड़ माय उबाड़्यो, अने उके खोळा माय लई के उणकासे क्यो, **३७**† "जो कईं को म्हारा नाम से असा कइंका बाळक के माने उ म्हारे माने, अने जो म्हारे माने उ म्हारे नी पण उके माने जेने म्हारे मोकल्यो हे।"

जो हमारा बिरोद माय हयनी उ हमारो हे

(लूका ९.४९-५०)

३८योहन ने उकासे क्यो, "हे गरु, हमने कइंका के थारा नाम से बुरी आतमाहुंण हेड़ते देख्यो अने उके रोकवा की कोसिस करी, क्योंके उ हमारो गेले को नी थो।"

३९पण ईसु ने उकासे क्यो, "उके मती रोको, क्योंके असो कईं को नी जो म्हारा नाम से अचरज को काम करे अने उका झट पाछे म्हारे बुरो कइदे। **४०**† क्योंके जो हमारा बिरोद माय हयनी उ हमारा गेले हे। **४१**† जो कईं को तमारे मसीह का होवा की वजासे एक गिलास पाणी पिवाड़े, तो हूं तमार से सांची कूं के उ अपणो फळ कदी नी खोयगा।

पाप माय पड़वा को लोभ

(मत्ती १८.६–९; लूका १७.१–२)

४२अने जो कईं को बिसास करवा वाळा इना नानाहुंण माय से एक के बी ठोकर खवाड़े तो उका सरु अच्छो होतो के उका गळा माय बजनदार घट्टी को पड़ लटकाड़ी के उके समन्दर माय लाख्यो जातो। **४३**† अने अगर थारो हात थार से पाप करावे, तो उके काटिके फेंकी लाख; थारा सरु यो भलो के तू बिना हात के जीवन माय जावे इका बदळे के दो हात रेता नरक माय याने उनी नी बुजवा वाळी लाय माय लाख्यो जाय। **४४**(४४ याने ४६ पद ४८ काज सरीको हे अने खास पाण्डुलिपि माय नी मिळे) **४५**अगर थारो पग थारे ठोकर खवाड़े तो उके काटिके फेंकी लाख; दो पग रेता होया नरक माय जाणे से भलो हे के लंगड़ो हुई के सरग माय जावे। **४६**(४४ का सरीकोज हे) **४७**† अगर थारी आंख थार से पाप करावे, तो उके हेड़ी फेंक। भलो यो के तू काणो हुई के परमेसर का राज माय जावे, बजाय इका के तू दो आंख रेता होय नरक माय लाख्यो जाय, **४८**† जां उणको किड़ो नी मरे अने नी लायज बुजे हे।

४९क्योंके हरेक जणो लाय से लूंणो कर्‍यो जायगा।

५०† लूंण अच्छो हे, पण अगर लूंण को सुवाद खतम हुई जाय तो उके पाछो कायसे लूंणो करोगा?

---

† **९.३४:** लूका २२.२४ † **९.३५:** मत्ती २०.२६–२७, २३.११; मरकुस १०.४३–४४; लूका २२.२६
† **९.३७:** मत्ती १०.४०; लूका १०.१६; योहन १३.२० † **९.४०:** मत्ती १२.३०; लूका ११.२३
† **९.४१:** मत्ती १०.४२ † **९.४३:** मत्ती ५.३० † **९.४७:** मत्ती ५.२९ † **९.४८:** यसायाह ६६.२४
† **९.५०:** मत्ती ५.१३; लूका १४.३४–३५

"अपणा माय लूंण राखो अने माय-माय मिळी-जुळी के रो।"

फारकती का बारामें ईसु की सीख

(मत्ती १९.१-१२; लूका १६.१८)

१० ईसु वां से उठी के यरदन नद्दी का पार यहूदिया का इलाका माय आयो; अने भीड़ पाछी उका कने भेळी हुई गी, अने अपणी रीति मुजब उ उणके पाछो परबचन देवा लाग्यो।

२तो थोड़ाक फरीसी उके अजमाणे सरु उका कने आया अने उकासे पुछवा लाग्या के कंई-कइंका मनख सरु अपणी घराळी के फारकती देणो नेम से सई हे।

३उने उणकासे क्यो, "मूसा नबी ने तमारे कंई हुकम द्‌यो?"

४[†] उणने क्यो, "मूसा ने मनख के हुकम द्‌यो के उ फारकती लिखी के बइरा के छोड़ी लाखे।"

५पण ईसु ने उणकासे क्यो, "मूसा ने यो हुकम तमारा हिरदा का काठापण की वजासे लिख्यो हे। **६**[†] पण जग का सुरु माय परमेसर ने उणके एक नर अने एक नारी बणाया था। **७**[†] इनी वजासे मनख अपणा मां-बापहुंण के छोड़ी के अने अपणी घराळी का गेले मिळ्यो रेगा[f]। **८**अबे वी दोई एक काया रेगा; मतलब यो के वी दो हयनी पण एक काया हे। **९**इकासरु जिणके परमेसर ने जोड़्या उणके कईं को मनख इकाड़ी नी करे।"

१०जदे चेलाहुंण घर माय आया तो इका बारामें ईसु से पाछा पुछवा लाग्या। **११**[†] उने उणकासे क्यो, "जो कईं को अपणी घराळी के फारकती दई के दूसरी बइरा से ब्याव करे, उ उकी घराळी का बिरोद माय ब्योबिचार करे। **१२**अने बइरा बी अपणा घराळा के फारकती दई के दूसरा आदमी से ब्याव करे तो वा ब्योबिचार करे हे।"

बाळकहुंण के ईसु की आसीस

(मत्ती १९.१३-१५; लूका १८.१५-१७)

१३फेर लोग बाळकहुंण के उका कने लावा लाग्या के उ उणका माथा पे हात धरे पण चेलाहुंण ने उणके डांट्या। **१४**ईसु ने जदे यो देख्यो तो गुस्सो हुई के उणकासे बोल्यो, "बाळकहुंण के म्हारा कने आवा दो, उणके मना मती करो, क्योंके परमेसर को राज असाज को हे। **१५**[†] हूं तमार से सांची कूं, जो कईं को परमेसर का राज के बाळक सरीको नी माने उ उका माय कदी बी जई नी सकेगा।" **१६**तो उने उणके खोळा माय लई के अने उणका पे हात धरी के उणके आसीस देवा लाग्यो।

धणी मनख को सवाल

(मत्ती १९.१६-३०; लूका १८.१८-३०)

१७जदे उ जातरा पे जावा सरु थो तो एक मनख दोड़तो होयो उका कने आयो

---

[f] **१०.७** थोड़ाक हात का लेखहुंण माय असो हे, अने उकी घराळी का गेले जुड़्यो रेगा।

[†] **१०.४:** नेम-बिधान २४.१–४; मत्ती ५.३१ [†] **१०.६:** उत्पत्ती १.२७, ५.२

[†] **१०.७–८:** उत्पत्ती २.२४ [†] **१०.११–१२:** मत्ती ५.३२; १ कुरिन्थिहुंण ७.१०–११

[†] **१०.१५:** मत्ती १८.३

अने गोड़ा टेकी के उकासे पुछवा लाग्यो, "हे भला गरु, सदा का जीवन को हाकिम होवा सरु हूं कंई करूं?"

१८ईसु ने उकासे क्यो, "तू म्हारे अच्छो कायबले के? परमेसर का अलावा कईं को भलो हयनी। **१९**† तू हुकमहुंण तो जाणे हेः 'घात नी करनों, ब्योबिचार नी करनों, चोरी नी करनों, झुंटी गवई नी देणो, छळ नी करनों, अपणा पिता अने अपणी मेतारी को मान राखणो,

२०उने उकासे क्यो, "हे गरु, हूं नानपणा सेज इनी सगळी बातहुंण को पाळण करतो अई र्‌यो हूं।"

२१उके देखी के ईसु के उका पे परेम आयो अने उने क्यो, "थारा माय अबे बी एक बात की कमकोती हे। जा, जो कंई थारो हे उके बेची के गरीब-गुरबा माय बांटी लाख अने थारे सरग माय धन मिळेगा, अने अई के म्हारा पाछे चल्यो-चल। **२२**यो बचन सुणी के उको मुन्डो उतरी ग्यो अने उ दुःखी हुई के वां से चल्यो ग्यो, क्योंके उ घणो मालदार थो।

२३ईसु ने चारी-मेर नगे फेरी के अपणा चेलाहुंण से क्यो, "मालदारहुंण सरु परमेसर का राज माय जाणो कितरो अबगो हे!"

२४चेलाहुंण उका सबद्‌हुंण से दंग रई ग्या।' पण ईसु ने उणकासे पाछो क्यो, "हे बाळकहुंण परमेसर का राज माय जाणो कितरो अबगो हे! **२५**परमेसर का राज माय कइंका मालदार के जाणे की

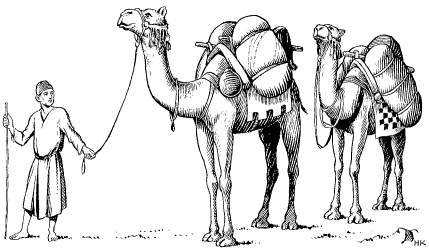

ऊंट (MRK १०.२५)

बजाय ऊंट के सुंई का नाका माय से हिटणो जादा सबगो हे।"

२६चेलाहुंण हजु बी घणो अचम्बो करिके पुछवा लाग्या, तो किको उध्दार हुई सकेगा?"

२७ईसु ने उणका आड़ी देखी के क्यो, "मनखहुंण सरु तो यो अबगो हे पण परमेसर सरु हयनी, क्योंके परमेसर सरु सगळो कंई सबगो हे।"

२८पतरस उकासे केवा लाग्यो, "देख, हम तो सगळो कंई छोड़ी के थारा पाछे हुई ग्या हे।"

२९ईसु ने क्यो, "हूं तमार से सांची-सांची कूं, असो कईं को हयनी जेने म्हारा अने सुब-समिचार की वजासे घर अने, भई-बेनहुंण अने मेतारी अने पिता अने बाळकहुंण अने खेतहुंण के छोड़ी लाख्या हो, **३०**अने उ इना बखत घरहुंण, अने भई-बेनहुंण, अने मेतारी अने बाळकहुंण अने खेतहुंण को सो गुणो जादा नी पाय, पण सताव का गेले, अने आवा वाळा जुग माय सदा को जीवन बी मिळेगा। **३१**† पण नरा

† **१०.१९:** निरगमन २०.१२-१६, नेम-बिधान ५.१६-२० † **१०.३१:** मत्ती २०.१६; लूका १३.३०

जो पेलां हे, पाछल्या रेगा अने जो पाछल्या हे वी पेलां रेगा।"

ईसु अपणी मोत की भविसबाणी करे

(मत्ती २०.१७-१९; लूका १८.३१-३४)

३२अने वी यरुसलेम जाता होया रस्ता माय था। अने ईसु उणका अगड़े-अगड़े चली र्‌यो थो। चेलाहुंण दंग था, अने जो पाछे अई र्‌या था वी डर्‌या होया था। उ पाछो बारा चेलाहुंण के इकाड़ी लई ग्यो अने जो कंई उणका गेले घटवा वाळो थो, उणके बताड़्वा लाग्यो: **३३**"देखो, हम यरुसलेम नगर जई र्‌या हे, अने हूं मनख को बेटो मुख-पुरोहितहुंण अने सासतरिहुंण का हाते पकड़वायो जउंवां; अने वी म्हारे मोत की सजा का लायक ठेरई के गेर यहूदिहुंण का हाते दई देगा। **३४**अने वी म्हारो मजाक उड़ायगा, म्हार पे थुंकेगा, म्हारे कोड़ा मारेगा अने मारी लाखेगा, अने हूं तीन दन पाछे जीवतो हुई जउंवां।

याकूब अने योहन की ईसु से बिणती

(मत्ती २०.२०-२८)

३५तो जब्दी का दोई बेटा, याकूब अने योहन उका कने अई के केवा लाग्या, "हे गरु, हम चावां के जो कंई हम थार से मांगा वइज हमारा सरु करजे।"

३६अने उने क्यो, "तम कंई चाव हो के हूं तमारा सरु करूं?"

३७उणने उकासे क्यो, "थारी म्हेमा माय हमारा माय से एक थारा सुदा हाताड़ी अने दूसरो थारा डाबा हाताड़ी[g] बेठे।"

३८[†] पण ईसु ने उणकासे क्यो, "तम नी जाणो के कंई मांगी र्‌या हो। जो कटोरो[h] हूं पीवा पे हूं कंई तम पी सको हो? या जो बपतिसमो हूं लेवा पे हूं, कंई तम ली सको हो?"

३९अने उणने उकासे क्यो, "हम करी सकां।"

अने ईसु ने उणकासे क्यो, "उ कटोरो जो हूं पीवा पे हूं तम प्योगा, अने जो बपतिसमो हूं लेवा पे हूं उके बी तम लोगा। **४०**पण अपणा सुदा हाताड़ी अने डाबा हाताड़ी बेठाणो म्हारो काम हयनी, यो उणकाज सरु हे जिणका सरु तय्यार कर्‌यो हे।"

४१या सुणी के दसी चेलाहुंण याकूब अने योहन से रिसई ग्या। **४२**[†] तो ईसु ने उणके कने तेड़ी के उणकासे क्यो, "तम जाणो हो के जो गेर यहूदिहुंण का हाकिम समज्या जाय वी उणका पे राज कर्‌या करे हे; अने उणका माय जो मोटो रे उणका पे हक जताड़े हे। **४३**[†] पण तमारा माय असो नी हे, बरण जो कईं को तमारा माय मोटो होणो चावे, उ तमारो सेवक बणे; **४४**अने जो तमारा माय परधान होणो चावे, उ सगळा को सेवक बणे। **४५**क्योंके हूं मनख को बेटो बी खुद की सेवा

---

[g] **१०.३७** सुदा हाताड़ी ... डाबा हाताड़ी; हक अने मान की जगा। [h] **१०.३८** कटोरो; दुःख सेणो, दुःख को प्यालो।

[†] **१०.३८:** लूका १२.५० [†] **१०.४२–४३:** लूका २२.२५–२६

[†] **१०.४३–४४:** मत्ती २३.११; मरकुस ९.३५; लूका २२.२६

कराणे नी पण सेवा करवा अने नरा का बदळा का मोल माय म्हारो पराण देवा आयो।"

आंदा की आंखहुंण

(मत्ती २०.२९-३४; लूका १८.३५-४३)

४६वी यरीहो नगर पोंच्या। अने जदे ऽ अपणा चेलाहुंण अने घणी बड़ीमेक भीड़ का गेले यरीहो नगर से बायरे जई र्‌यो थो तो बरतिमाई नामको एक आंदो मंगतो, जो तिमाई को बेटो थो, बाट-मेरे बेठ्‌यो होयो थो। **४७**जदे ऽने सुण्यो के यो नासरत रेवासी ईसु जई र्‌यो हे तो हेला पाड़ी के केवा लाग्यो, "हे ईसु, दाऊद की सन्तान म्हार पे दया करजे!"

४८नरा ने डांटी के क्यो, "के ऽ छानो रे, पण ऽ हजु जोर से चिल्लाड़वा लाग्यो, "दाऊद की सन्तान, म्हार पे दया करजे!"

४९तो ईसु ने रुकी के क्यो, "ऽके तेड़ी लो।"

अने लोगहुंण ने ऽना आंदा के यो केता होया तेड़्यो, "हिम्मत राख, ऽठ्‌या! ऽ थारे तेड़ी र्‌यो हे।"

५०अने ऽ अपणो चोळो इकाड़ी फैंकी के ऽछळी पड़्यो अने ईसु कने आयो।

५१ईसु ने जुवाब देता होया क्यो, "तू कंई चावे के हूं थारा सरु करूं?"

अने ऽना आंदा ने ऽकासे क्यो, "म्हारा गरु, हूं चऽं के देखवा लागुं!"

५२ईसु ने ऽकासे क्यो, "चल्यो जा, थारा बिसास ने थारे नज कर्‌यो।"

ऽ झट देखवा लाग्यो अने बाट माय ईसु का पछड़े चलवा लाग्यो

ईसु यरुसलेम माय बिजयी राजा का रुप माय

(मत्ती २१.१-११; लूका १९.२८-४०; योहन १२.१२-१९)

११ जदे वी यरुसलेम नगर कने, जेतून परबत का कराड़े बेतफगे अने बेतनिय्याह गांम माय पोंच्या तो ईसु ने अपणा दो चेलाहुंण के मोकल्या, **२**अने ऽणकासे क्यो, "अपणा सामे का गांम माय जाव अने जाताज तमारे एक गदड़ी

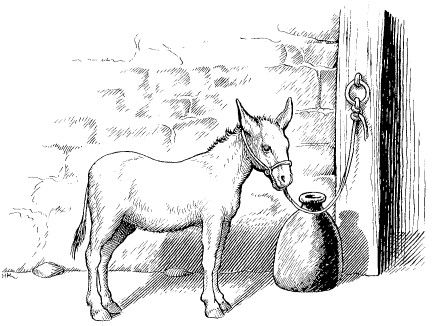

बन्दयो गदड़ो (MRK ११.२)

को बच्चो बन्द्‌यो होयो मिळेगा जेका पे अबी तक कईं को बेठ्‌यो हयनी। ऽके छोड़ी ल्याव। **३**अगर कईं को तमार से के, असो कायसरु करी र्‌या हो?" तो तम किजो परभु[i] के इकी जरुवत हे, 'अने ऽ झटज ऽके यां मोकलेगा।"

४वी ग्या अने ऽणके बायरे, सेरी माय कमांड़ कने एक गदड़ी को बच्चो बन्द्‌यो

[i] **११.३** परभु; या गरु; या स्वामी।

होयो मिळ्यो, वी ऊके छोड़वा लाग्या।
५वां ऊब्या थोड़ाक लोगहुंण ने ऊणकासे
क्यो, "यो कंई करी र्‌या हो, गदड़ी का
बच्चा के कायसरु छोड़ी र्‌या हो?"
६अने ईसु ने जसो क्यो थो चेलाहुंण
ने वसोज ऊणकासे कई द्‌यो; तो ऊणने
ऊके लई जावा द्‌यो। ७ऊणने गदड़ी का
बच्चा के लई के ऊका पे अपणा लतरा
लाख्या; अने ईसु ऊका पे बेठी ग्यो।
८अने नरा ने अपणा लतरा बाट माय
बिछाड़्या, अने दूसरा लोगहुंण ने खेतहुंण
माय से डाळहुंण काटिके बिछाड़ी लाखी।
९[†] वी जो ऊका अगड़े-अगड़े जाता अने
पछड़े-पछड़े चल्या अई र्‌या था हेला पाड़ी
के कई र्‌या था, "होसन्ना![j] धन हे ऊ
जो परभु का नाम से आवे! १०[†] हमारा
पिता दाऊद को आवा वाळो राज धन्य
हे! सगळा से ऊंची जगा माय होसन्ना!"
११ऊ यरुसलेम नगर माय अई के
मन्दर माय आयो; अने चारी-मेर देखी के
बारा चेलाहुंण का गेले बेतनिय्याह गांम
चल्यो ग्यो क्योंके सांज हुई चुकी थी।

अंजीर का झाड़ के सराप

(मत्ती २१.१८-१९)

१२अने दूसरा दन जदे वी बेतनिय्याह
से हिट्‌या तो ऊके भूक लागी। १३अने पत्ता
से भर्‌या एक अंजीर का झाड़ के दूरा
से देखी के, ऊका कने ग्यो के कदी कंई
मिळी जाय पण वां पोंची के, ऊके पत्ता
का अलावा हजु कइंनी लाद्‌यो, क्योंके
फळ लागवा को मोसम नी थो। १४तो
ऊने झाड़ से क्यो, "अबसे कईं को थारो
फळ कदी नी खाणे पाय।"
अने ऊका चेलाहुंण सुणी र्‌या था।

ईसु मन्दर माय

(मत्ती २१.१२-१७; लूका १९.४५-४८; योहन २.१३-२२)

१५फेर वी यरुसलेम नगर आया
अने मन्दर माय जई के वां लेण-देण
करवा वाळाहुंण के हेड़वा लाग्यो, अने
अड़तियाहुंण की तिपई अने कबुतर
बेचवा वाळाहुंण की कुड़छिहुंण के पलटी
लाखी; १६अने ऊने कइंका केज मन्दर
माय हुई के समान लई जावा को हुकम
नी द्‌यो। १७[†] अने ऊ ऊणके परबचन देवा
लाग्यो, "कंई यो नी लिख्यो हे, 'म्हारो
घर सगळी जातहुंण सरु पराथना को घर
केवायगा'? पण तमने ऊके डाकूहुंण की
गुफा बणई राखी हे।"
१८अने मुख-पुरोहितहुंण अने
सासतरिहुंण ने जदे यो सुण्यो तो ऊके
नास करवा सरु मोको ढुंडवा लाग्या,
क्योंके वी ऊकासे डरता था, इकासरु के
सगळा मनखहुंण ऊकी सीख से दंग था।
१९अने सांज होताज, वी नगर से बायरे
चल्या जाया करता था।

बिसास की ताकत

(मत्ती २१.२०-२२)

२०फेर दन ऊगे जदे वी वइंसे जई र्‌या
था, तो ऊणने ऊना अंजीर का झाड़ के
जड़ समेत सुक्यो होयो देख्यो। २१पतरस

---

[j] **११.९** होसन्ना; हमारे बचाड़ !

[†] **११.९:** भजन संहिता ११८.२५–२६ [†] **११.१०:** भजन संहिता ११८.२५,२६

[†] **११.१७:** यसायाह ५६.७; यरमियाह ७.११

ने रियाद करिके क्यो, "रब्बी[k] देख, तो! यो अंजीर को झाड़ जेके तने सराप द्‌यो थो सुकी ग्यो।"

२२ईसु ने ठकासे क्यो, "परमेसर पे बिसास राख। **२३**† हूं थार से सांची कूं, जो कईं को इना परबत से केगा, 'उखड़ी जा अने समन्दर माय जई पड़, 'अने अपणा हिरदा माय सक नी करे, पण जो कंई ठने क्यो, बिसास करे के हुई जायगा तो ठका सरु हुई जायगा। **२४**इकासरु हूं तमार से कूं, के जो कंई तम पराथना माय मांगो हो बिसास करो के तम ठके पई चुक्या हो, अने ठ तमारे मिळी जायगा। **२५**† अने जदे कदी तम ठबा हुई के पराथना करो तो अगर तमारा हिरदा माय कइंका सरु थोड़ोक बिरोद हे तो मांफ करो, जेकासे के तमारो पिता जो सरग माय हे तमारा बी कसूर मांफ करे। **२६**(अगर तम मांफ नी करोगा तो तमारो पिता बी जो सरग माय हे, तमारो कसूर मांफ नी करेगा।)"[l]

ईसु का हक पे सवाल

(मत्ती २१.२३-२७; लूका २०.१-८)

२७वी पाछा यरुसलेम नगर आया। अने जदे ईसु मन्दर माय फिरी र्‌यो थो, तो मुख-पुरोहित, सासतरी अने बुड़ा-हाड़ा ठका कने आया, **२८**वी ठकासे पुछवा लाग्या, "तू यो काम केका हक से करी र्‌यो, या इना कामहुंण को करवा को हक थारे केने द्‌यो हे?"

२९अने ईसु ने ठणकासे क्यो, "हूं तमार से एक सवाल पुछुं। तम म्हारे जुवाब दोगा, फेर हूं बी तमारे बतऊंवां के यो काम केका हक से करूं। **३०**योहन को बपतिसमो करवा को हक सरग आड़ी से थो के मनख आड़ी से? म्हारे जुवाब दो।"

३१वी या कई के माय-माय बिवाद करवा लाग्या, "अगर हम कां, 'सरग से, 'तो ठ केगा, तो तमने ठको बिसास कायसरु नी कर्‌यो?' **३२**फेर हम या कां, 'मनखहुंण आड़ी से ... ' " (वी लोगहुंण से डरता था क्योंके सगळा यो मानता था के योहन सांची माय एक नबी थो।) **३३**ईसु के जुवाब देता होया ठणने क्यो, "हम नी जाणा।"

तो ईसु ने ठणकासे क्यो, "हूं बी तमारे नी बतऊंवां के यो काम केका हक से करूं।"

परमेसर ने अपणा बेटा के मोकल्यो

(मत्ती २१.३३-४६; लूका २०.९-१९)

१२ † फेर ईसु ठणके मिसालहुंण माय केवा लाग्यो: एक मनख ने अंगूर को बगीचो लगाड़्यो, अने बाड़ो बान्दी के ठके घेरी ल्यो, अने अंगूर की घाणी का निच्चे एक रसकुंड खोद्‌यो, अने एक डागळो बणायो, अने किरसाणहुंण के ठदड़ा पे दई के जातरा पे चल्यो ग्यो। **२**फसल का मोसम माय ठने एक दास के किरसाणहुंण कने मोकल्यो के ठना किरसाणहुंण से अंगूर का बगीचा की

---

[k] **११.२१** रब्बी; गरु। [l] **११.२५** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय २६ आयत जोड़ी हे (देखो मत्ती ६.१५)।

† **११.२३:** मत्ती १७.२०; १ कुरिन्थिहुंण १३.२ † **११.२५–२६:** मत्ती ६.१४–१५

† **१२.१:** यसायाह ५.१–२

थोड़िक फसल लइ-याय। ३पण उणने उके पकड़ी के कुट्यो अने उके रित्ता हाते मोकली द्यो। ४उने उणका कने फेर-पाछो एक दास मोकल्यो, अने उणने उको माथो फोड़ी लाख्यो अने उको मान पाड्यो। ५फेर उने एक हजु के मोकल्यो, उणने उके मारी लाख्यो: अने असतरा दूसरा नरा के बी, कइंका के कुट्या अने कइंका के मारी लाख्या। ६अबे मोकलवा सरु उका कने एक हजु रई ग्यो याने उको परमिलो बेटो, या सोंची के उने आखर माय उके बी मोकली द्यो के 'वी म्हारा बेटा को मान राखेगा।' ७पण उना किरसाणहुंण ने माय-माय क्यो, योज तो वारिस हे; आव, हम इके मारी लाखां, तो सगळी जायजाद हमारी हुई जायगा।' ८अने उणने उके पकड़ी के मारी लाख्यो अने अंगूर का बगीचा का बायरे फेंकी लाख्यो।

९इकासरु अंगूर का बगीचा को मालेख कंई करेगा? उ अई के किरसाणहुंण के नास करी लाखेगा अने अंगूर को बगीचो दूसरा के दई देगा। १०† कंई तमने पवित्तर सासत्तर को यो बचन नी बांच्यो:

जेना एरण के राज मिसतरिहुंण ने
नकारी द्यो थो,
उज कोणा को खास एरण
बण्यो।
११† यो परभु आड़ी से होयो
अने हमारी नगेहुंण माय अनोखो
हे!"

१२यहूदिहुंण का अगवाहुंण ईसु के पकड़वा चाता था, फेर बी लोगहुंण से डरता था, क्योंके वी समजी ग्या था के उने या मिसाल हमारा बिरोद माय कई हे। इकासरु वी उके छोड़ी के चल्या ग्या।

ईसु के छळवा की कोसिस

(मत्ती २२.१५-२२; लूका २०.२०-२६)

१३उणने थोड़ाक फरीसिहुंण अने हेरोदियाहुंण के उका कने मोकल्या के उकीज बातहुंण माय उके उळजावे। १४अने उणने अई के उकासे क्यो, "हे गरु, हम जाणा हे के तू सांचो हे अने तू कइंका का केणा माय नी आय। तू तो कइंका की तरफदारी बी नी करे, पण परमेसर की बाट सच्चई से सीखाड़े। केसर राजा[m] के कर चुकाणो ठीक हे के नी?"

१५हम कर चुकावा के नी चुकावा?" पण उने उणका ढोंग के भांपी के उणका से क्यो, "तम म्हारे कायसरु परखो हो? एक कलदार सिक्को, म्हारा कने लाव के हूं उके देखुं।"

१६वी कलदार सिक्को लाया, अने उने उणकासे क्यो, "इका पे केको मुन्डो अने केको नाम लिख्यो हे?"

उणने क्यो, "केसर राजा को।"

१७अने ईसु ने उणकासे क्यो, "जो केसर राजा को हे उ केसर के दो, अने जो परमेसर को हे उ परमेसर के दो।"

अने वी दंग रई ग्या।

---

[m] **१२.१४** केसर राजा; रोम का म्हाराजा की पदवी या ओड़क।

† **१२.१०–११:** भजन संहिता ११८.२२–२३ † **१२.११:** भजन संहिता ११८.२२-२३

सदुकिहुंण की चाल

(मत्ती २२.२३-३३; लूका २०.२७-४०)

१८† फेर थोड़ाक सदुकी - जो यो के हे के पाछो जी उठणो हेज नी - उका कने अई के पुछवा लाग्या, **१९**†हे गरु, हमारा सरु मूसा ने एक नेम-बिधान लिख्यो के अगर कइंका को भई बे-ओलाद मरी जाय, अने अपणा पाछे घराळी के मेली जाय तो उको भई उकी बइरा से ब्याव करी ले अने अपणा भई सरु ओलाद पेदा करे। **२०**सात भई था। पेलो भई ब्याव करिके बे-ओलाद मरी ग्यो। **२१**तो दूसरा भई ने उनी बइरा से ब्याव कर्‌यो अने बे-ओलाद मरी ग्यो, अने तीसरा ने बी असोज कर्‌यो। **२२**अने साती से कइंकी ओलाद नी हुई। आखर माय वा बइरा बी मरी गी। **२३**पाछा जदे वी जीवता हुई जायगा तो वा केकी घराळी रेगा? क्योंके वा साती भईहुंण की बइरा बणी थी।"

२४ईसु ने उणकासे क्यो, "कंई तम इनी वजा से भूल माय नी पड़्या हो के तम नी तो पवित्तर - सासत्तर के समज्या हो अने नीज परमेसर की सामरत के? **२५**क्योंके जदे लोग मर्‌या माय से जी उठे, तो वी नितो ब्याव करवा अने नीज ब्याव माय द्‌या जावे बरण वी सरग माय सरगदूतहुंण सरीका रे हे। **२६**† अने इनी बात का बारामें के मर्‌या पाछा जी उठ्‌याय हे, कंई तमने मूसा की पोथी माय बळती हुई झांडी की कथा नी बांची? के परमेसर ने कसतरा मूसा से क्यो, 'हूं इबराइम को परमेसर, अने इसाक को परमेसर, अने याकूब को परमेसर हूं? **२७**उ मर्‌याहुंण को नी पण जीवताहुंण को परमेसर हे। तम घणी भूल माय पड़्या हो।"

सगळा से बड़ो हुकम

(मत्ती २२.३४-४०; लूका १०.२५-२८)

२८† सासतरिहुंण माय से एक ने अई के उणके बाद-बिवाद करता सुण्या, अने या जाणी के के ईसु ने कितरा अच्छा तरीका से उणके जुवाब द्‌यो, उकासे पुछ्‌यो, सगळा से खास हुकम कां को हे?"

२९† ईसु ने जुवाब द्‌यो, "खास हुकम यो हे: 'हे इसराइल सुण, परभु हमारो परमेसर एकज परभु हे, **३०**अने तू परभु अपणा परमेसर से अपणा आखा हिरदा, अने अपणा आखा पराण अने अपणी आखी बुध्दि अने अपणी आखी सकती से परेम करजे।' **३१**अने दूसरी या, 'तू अपणा पड़ोसी से अपणा सरीको परेम करजे।'† इणकासे बड़ी के हजु कईं को हुकम हयनी।"

३२† सासतरी ने उकासे क्यो, "हे गरु, बिलकुल ठीक, तने सांचीज क्यो हे के उ एकज हे; अने उके छोड़ी के कईं को दूसरो हुकम हयनी; **३३**† अने उकासे आखा हिरदा, आखा पराण, आखी बुध्दि, अने आखी सकती से परेम करनों, अने अपणा पड़ोसी से अपणा सरीको परेम करनों, सगळी होमबली की सामगरिहुंण से अने बलिदानहुंण से बड़ी के हे।"

---

† **१२.१८:** परेरितहुंण २३.८ † **१२.१९:** नेम-बिधान २५.५ † **१२.२६:** निरगमन ३.६
† **१२.२८–३४:** लूका १०.२५–२८ † **१२.२९:** नेम-बिधान ६.४-५ † **१२.३१:** लेव्यव्यवस्था १९.१८
† **१२.३२:** नेम-बिधान ४.३५ † **१२.३३:** होसे ६.६

३४जदे ईसु ने देख्यो के उने
समजदारी से जुवाब द्‌यो, तो उकासे
क्यो, 'तू परमेसर का राज से दूरो
हयनी,
"अने इका बाद कइंका के उकासे पुछवा
की हिम्मत नी री।

मसीह का बारामें सवाल

(मत्ती २२.४१-४६; लूका २०.४१-४४)

३५ईसु मन्दर माय परबचन दई र्‌यो
थो तो उने क्यो, "सासतरी कसा के
हे, के मसीह दाऊद को बेटो हे? ३६[†]
क्योंके दाऊद ने खुद पवित्तर आतमा
माय हुई के क्यो हे,
'परभु ने म्हारा परभु से क्यो,
"म्हारा सुदा हाताड़ी बेठ
जदत्तक के हूं थारा बेरिहुंण के
थारा पगहुंण की चोकी नी
बणई लाखुं "।'
३७दाऊद खुद ईसु के 'परभु' के हे; तो
उ दाऊद को बेटो कसे होयो?" बड़ीमेक
भीड़ बड़ा आनन्द से उकी सुणी री थी।

नेम-बिधान का जाणकारहुंण से सावधान

(मत्ती २३.१-३६; लूका २०.४५-४७)

३८अने उ अपणा परबचन माय कई
र्‌यो थो, "सासतरिहुंण से होसियार रो,
जो लम्बा चोळा पेरिके अंई-वंई घुमवा
अने हाट-बजारहुंण माय मान ३९अने
पराथनाघरहुंण माय खास आसण अने
भोजहुंण माय मान की जगा पाणों अच्छी
लागे। ४०इज वी हे जो रांडिहुंण को घर
गटकी जाय,[n] अने धरम को दिखावो
करिके लम्बी-लम्बी पराथनाहुंण करे। ई
घणी भारी सजा पायगा।"

सांचो दान

(लूका २१.१-४)

४१उ मन्दर का खजाना का सामे बेठी
ग्यो अने देखवा लाग्यो के लोग कसतरे
मन्दर का खजाना माय पइसा लाखी
र्‌या था; अने नरा धणिहुंण मोटी-मोटी
रकम लाखी र्‌या था। ४२इतरा माय एक
गरीब रांडी बइरा ने अई के तांबा की दो
नानी-नानी दमड़ी लाखी जिणको मोल
करीब एक पइसा का बरोबर रे हे। ४३तो
ईसु ने अपणा चेलाहुंण के कने बुलाड़ी के
उणकासे क्यो, "हूं तमार से सांची-सांची
कूं, के खजाना माय लाखवा वाळाहुंण

दो छदाम (MRK १२.४४)

---

[n] **१२.४०** जो रांडिहुंण को घर गटकी जाय; नेम-बिधान मुजब धन-सम्पत्ती से इकाड़ी करिके उणकी दसा बिगाड़ी दे।

[†] **१२.३६:** भजन संहिता ११०.१

माय से इनी गरीब रांडी बइरा ने सगळा से बड़ी के लाख्यो हे; ४४क्योंके दूसरा सगळा ने अपणा नरा माय से लाख्यो हे, पण इने अपणी गरीबी माय से जो कंई ठको थो याने अपणी आखी जीविका लाखी दी हे।"

ईसु ने बिनास होवा की भविसबाणी करी

(मत्ती २४.१-२; लूका २१.५-६)

१३ जदे ईसु मन्दर से बायरे हिटी र्‌यो थो तो ठका चेलाहुंण माय से एक ने ठकासे क्यो, "हे गरु, देख, कसा मोटा एरण अने कसो अलिसान भवन!"

२अने ईसु ने ठणकासे क्यो, "तम इना अलिसान भवनहुंण के देखी र्‌या हो? एक एरण पे एरण बी नी रेगा सगळो ढळ्डायो जायगा।"

अबदाहुंण अने सताव

(मत्ती २४.३-१४; लूका २१.७-१९)

३जदे ठ मन्दर का सामे जेतून परबत पे बेठ्‌यो थो तो पतरस, याकूब, योहन, अने अन्द्रियास ने एखला माय ठकासे पुछ्‌यो, **४**"हमारे बताड़ के ई बातहुंण कदे होयगा अने सगळी बातहुंण जदे पूरण होवा पे रे तो इणकी सेलाणी कंई रेगा?"

५अने ईसु ठणकासे केवा लाग्यो, "होसियार रो के कईं को तमारे धोको नी दई दे। **६**नरा म्हारा नाम से या केता होया आयगा, हूं ठज हूं!' अने वी नरा के धोको देगा। **७**जदे तम लड़इहुंण की चरचा अने लड़इहुंण की अफवा सुणो तो घबरावजो मती; इनी बातहुंण को होणो जरुरी हे। फेर बी ठना बखत अंत नी होयगा। **८**क्योंके एक जात का बिरोद माय दूसरी जात अने एक राज का बिरोद माय दूसरो राज ठठ्‌यायगा। नरी जगाहुंण पे जमीन धुजेगा अने बिखो पड़ेगा। ई सगळी बातहुंण तो दुःख-दरद की सुरुआतज रेगा।

९† पण तम होसियार रो। क्योंके लोग तो तमारे कचेरीहुंण का हवाले करी देगा अने पराथनाघरहुंण माय कोड़ा मारेगा, अने तम म्हारी वजासे सासकहुंण अने राजाहुंण का सामे ठब्या रोगा ताके ठणका सामे गवई रे। **१०**अने जरुरी हे के पेलां सुब-समिचार सगळी जातहुंण माय परचार कर्‌यो जाय। **११**वी जदे तमारे बन्दी बणई के कचेरी माय दई दे तो पेलां से सांसो मती करजो के हम कंई कांगा, पण ठनीज घड़ी तमारे जो कंई क्यो जाये ठज करजो; क्योंके बोलवा वाळा तम नी रो, पण पवित्तर आतमा रे हे **१२**भई, भई के अने बाप, बेटा के मोत सरु दई देगा; अने छोरा-छोरी अपणा मां-बाप का बिरोद माय ठठ्‌यायगा अने ठणके मरवई लाखेगा। **१३**† अने म्हारा नाम की वजासे सगळा लोग तमार से घिरणा करेगा, पण जो आखर तक जिरना मारेगा ठकोज ठध्दार होयगा।

ठजाड़वा वाळी

(मत्ती २४.१५-२८; लूका २१.२०-२४)

१४पण जदे तम ठनी ठजाड़वा वाळी घिरणित चीज† के वां ठबी देखो जां

---

† **१३.९–११:** मत्ती १०.१७–२०; लूका १२.११–१२ † **१३.१३:** मत्ती १०.२२

† **१३.१४:** दानियल ९.२७, ११.३१, १२.११

ठके नी होणो चाय - बांचवा वाळो समजी जाय - तो जो यहूदिया परदेस माय रे वी परबतहुंण अदरे भागी जाय। **१५**† अने ठ जो घर का छज्जा अदरे रे, निच्चे नी ठतरे अने नी कंई लेवा सरु घर का भित्तरे जाय, **१६**अने ठ जो खेत माय रे, अपणो चोळो लेवा सरु पाछो नी पलटे। **१७**पण ठनी नारीहुंण सरु धिक्कार जो ठना दनहुंण माय गरभ से रेगा अने जो बाळकहुंण के धवाड़ती रेगा! क्योंके वी दन घणा भयंकर रेगा। **१८**पराथना करो के यो स्याळा माय नी होय। **१९**† क्योंके वी दन असा कळेस का रेगा जसा जगत का सुरु से, जेके परमेसर ने सिरज्यो, अबी तक नी तो होयो अने नी फेर कदी होयगा। **२०**अने अगर परभु ने ठना दनहुंण के घटाड़्या नी होता, तो कईं को बी जीव नी बचतो, पण ठना छांट्या होया की वजासे जिणके ठने छांटी ल्या हे, ठने इना दनहुंण के घटाड़्या।

२१तो अगर कईं को तमार से के, देखो मसीह यां हे, 'या देखो ठ वां हे, 'तो बिसास मती करजो; **२२**क्योंके झुंटा मसीह अने झुंटा नबी ठठ्यायगा, अने सेलाणी अने अनोखा काम बताड़ेगा के अगर हुई सके तो छांट्या होया के बी भटकई दे। **२३**पण होसियार री जो; देखो, म्हने पेलांज तमारे सगळो कंई बताड़ी लाख्यो हे।

ईसु को पाछो आणो

(मत्ती २४.२९-३१; लूका २१.२५-२८)

२४† पण ठना दनहुंण माय, ठना कळेस का बाद सूरज इन्दार्‌यो जायगा, अने चन्दरमा अपणो ठजाळो नी देगा, **२५**† अने असमान से तारागण पड़ता रेगा, अने असमान की ताकतहुंण हलाड़ी जायगा। **२६**† जदे लोग म्हारे मनख का बेटा के बड़ी सामरत अने म्हेमा का साते बादळाहुंण माय आतो देखेगा। **२७**ठना बखत ठ अपणा सरगदूतहुंण के मोकली के धरती का इना छोर से लई के असमान का ठना छोर तक, चारी दिसाहुंण से अपणा छांट्या होया के भेळा करेगा।

अंजीर का झाड़ से सीख

(मत्ती २४.३२-३५; लूका २१.२९-३३)

२८"अंजीर का झाड़ से या मिसाल सीखो; जदे ठकी डाळ नरम हुई जाय, अने ठका माय कोंपळ हिटवा लागे, तो तम जाणी लो हो के ठनाळो कने हे। **२९**असतरे तम बी जदे इनी बातहुंण के होता देखो तो जाणी लीजो के ठ कने हे बरण बारना पेज हे।◦ **३०**हूं तमार से सांची कूं के जदत्तक ई बातहुंण पूरण नी हुई जाय इनी पीढ़ी को अंत नी होयगा। **३१**असमान अने धरती टळी जायगा, पण म्हारा बचन कदी नी टळेगा।

◦ **१३.२९** ठ कने हे बरण बारना पेज हे; या ठ कने हे, आवा सरु तय्यार हे।

† **१३.१५–१६:** लूका १७.३१ † **१३.१९:** दानियल १२.१; दरसन ७.१४

† **१३.२४:** यसायाह १३.१०; यहेजकेल ३२.७; योएल २.१०, ३१, ३.१५; दरसन ६.१२

† **१३.२५:** यसायाह ३४.४; योएल २.१०; दरसन ६.१३ † **१३.२६:** दानियल ७.१३; दरसन १.७

उना दन अने बखत के कईं को नी जाणे

(मत्ती २४.३६-४४)

३२† पण उना दन या उनी घड़ी का बारामें कईं को नी जाणे, नी सरग का दूत, नीज हूं बेटो, पण सिरप पिता परमेसर। **३३**'सावधान हुई जाव, जागता रो अने पराथना माय लाग्या रो, क्योंके तम नी जाणो के उ ठेराड़्यो बखत कदे अई जायगा। **३४**† यो उना मनख सरीको जो अपणो घर छोड़ी के जातरा पे बायरे ग्यो। अपणा दासहुंण के हक दई के उने हरेक के उको काम बताड़्यो अने नेपादार के जागता रेवा को हुकम द्यो। **३५**इकासरु जागता रो - क्योंके तम नी जाणो के घर को मालेख कदे आयगा, सांझे, आदी राते, या मुरगा का बांग देवा बखत या दन उगे - **३६**कंई असो नी होय के उ एक दम से अई के तमारे सोतो होयो पाय। **३७**अने हूं जो तमार से कूं, उज सगळा से कूं: 'जागता री जो!' "

ईसु के मारी लाखवा की जुगत

(मत्ती २६.१-५; लूका २२.१-२; योहन ११.४५-५३)

१४ † फसह[P] अने बिना खमीर का रोटा का परब सरु दो दन बाकी रई ग्या था; अने मुख-पुरोहित अने सासतरी इनी बात का ताक माय था के उके कसे छाने से पकड़ां अने मारी लाखां; **२**पण वी कई र्‌या था, "परब का बखत नी, कंई असो नी होय के लोगहुंण माय दंगो हुई जाय।"

ईसु पे अतर रेड़णो

(मत्ती २६.६-१३; योहन १२.१-८)

३† जदे वी बेतनिय्याह का सिमोन कोड़्या का घरे जिमवा बेठ्या था, तो वां एक बइरा संगमरमर का बरतन माय जटामांसी को अनमोल सुद्द अतर लई के अई; अने उने उना बरतन के तोड़ी के अतर के ईसु का माथा पे कुड़ी लाख्यो। **४**पण थोड़ाक लोग खिसियई के माय-माय केवा लाग्या, "यो अतर कायसरु ढोळी लाख्यो? **५**क्योंके यो अतर तो तीन सो चांदी का सिक्काहुंण[q] से जादा दाम माय बेची के गरीब-गुरबाहुंण के द्यो जई सकतो थो।" अने वी इनी बइरा पे खिजवा लाग्या।

६पण ईसु ने क्यो, "उके छोड़ी लाखो, उके कायसरु परेसान करो हो? उने तो म्हारा गेले भलई करी हे। **७**† क्योंके गरीब-गुरबाहुंण तो सदा तमारा गेले रे हे, अने जदे तम चावो जदे उणका गेले भलई करी सकता हो, पण हूं तमारा गेले सदा नी रुंवां। **८**जितरो वा करी सकती थी, उने कर्‌यो, उने म्हारा गाड़्या जावा सरु पेलांज से म्हारी काया पे अतर मिळ्यो हे। **९**हूं तमार से सांची कूं के आखा जगत माय जां कंई सुब-समिचार को परचार होयगा, वां इनी बइरा का इना काम को बखाण बी इकी रियाद माय कर्‌यो जायगा।"

[P] **१४.१** फसह; सबद् भण्डार माय देखो। [q] **१४.५** तीन सो चांदी का सिक्काहुंण; एक जणा की एक बरस की मजुरी चांदी का सिक्काहुंण देखो मर्क. 6.37।

† **१३.३२:** मत्ती २४.३६ † **१३.३४:** लूका १२.३६–३८ † **१४.१:** निरगमन १२.१–२७

† **१४.३:** लूका ७.३७–३८ † **१४.७:** नेम-बिधान १५.११

ईसु के पकड़वाणे सरु तय्यार

(मत्ती २६.१४-१६; लूका २२.३-६)

१०इका बाद यहूदा इस्करियोती जो बारा चेलाहुंण माय से एक चेलो थो मुख-पुरोहित कने ग्यो के उके उणका हाते पकड़वई लाखे। **११**अने जदे उणने यो सुण्यो तो वी खुस हुई ग्या, अने उके रुप्या देवा को बचन द्यो। तो उ बखत की हेर माय र्‌यो के उके कसतरे पकड़वई लाखे

फसह-भोज की तय्यारी

(मत्ती २६.१७-२५; लूका २२.७–१४, २१–२३; योहन १३.२१–३०)

१२बिना खमीर का रोटा का परब का पेलां दन, जदे फसह का मेमणा को बलिदान कर्‌यो जातो थो तो उका चेलाहुंण ने उकासे पुछ्यो, "तू कां चावे के हम जई के थारा सरु फसह खावा की तय्यारी करां?"

१३उने अपणा चेलाहुंण माय से दो के या कई के मोकल्या, "नगर माय जाव, अने एक मनख पाणी को गागर्‌यो उठाड़ी के लातो होयो तमारे मिळेगा; उका पाछे हुई जावजो; **१४**अने जां उ जावे, उना घर का मालेख से किजो, 'गरु के हे, "म्हारा पांमणाहुंण के रुकवा की जगा कां हे जेका माय हूं अपणा चेलाहुंण का गेले फसह खउं?" **१५**उ खुद तमारे एक बड़ी सजी-सजई अदरे की कोठड़ी दिखाड़ेगा, वां हमारा सरु तय्यारी करजो।"

१६चेला चल्या ग्या अने नगर माय जई के जसो ईसु ने क्यो थो वसोज मिळ्यो, अने उणने फसह की तय्यारी करी।

१७जदे सांझ हुई तो उ बारा चेलाहुंण का गेले आयो। **१८**† अने जदे वी बेठिके जिमी र्‌या था, तो ईसु ने क्यो, "हूं तमार से सांची कूं, तमारा माय से एक हे - जो म्हारा गेले जिमी र्‌यो हे - म्हारे पकड़वायगा।"

१९वी उदास हुई ग्या अने एक-एक करी ने उकासे पुछवा लाग्या, "कंई उ हूं हे?"

२०अने उने उणकासे क्यो, "उ बारा चेलाहुंण माय से एक हे जो म्हारा गेले एकज परात माय खाय हे। **२१**क्योंके हूं मनख को बेटो, जसो म्हारा बारामें लिख्यो हे, ठीकज हे; पण धिक्कार उना मनख पे जेका से हूं मनख को बेटो पकड़वायो जउं हे! उना मनख सरु भलो होतो अगर उको जनमीज नी होतो।"

परभु-भोज

(मत्ती २६.२६-३०; लूका २२.१४–२०; १ कुरिन्थिहुंण ११–२३-२५; योहन १३.२१–३०)

२२जदे वी जिमी र्‌या था, उने रोटो ल्यो अने आसीस मांगी के तोड़्यो अने चेलाहुंण के दई के क्यो, "इके लो; या म्हारी काया हे।"

२३फेर उने कटोरो ल्यो अने धन्यबाद करिके उणके द्यो अने उना सगळा ने उका माय से प्यो। **२४**† जदे उने उणकासे क्यो, "यो करार को म्हारो उ लोई जो नरा लोगहुंण सरु बिवाड़्यो जाय हे। **२५**हूं तमार से सांची कूं, हूं अंगूर को रस उना

† **१४.१८:** भजन संहिता ४१.९ † **१४.२४:** निरगमन २४.८; यरमियाह ३१.३१–३४

दन तक पाछो कदी नी पिउंवां, जदत्तक परमेसर का राज माय नवो नी प्यूं।"

२६भजन गावा का बाद वी जेतून परबत पे चल्या ग्या।

ईसु ने पतरस का इनकार की भविसबाणी करी

(मत्ती २६.३१-३५; लूका २२.३१-३४; योहन १३.३६–३८)

२७† जदे ईसु ने उणकासे क्यो, "तम सगळा ठोकर खावगा, क्योंके यो लिख्यो हे, 'हूं ग्वाळा के मारुंवां, अने गाडरहुंण तित्तर-बित्तर हुई जायगा।' **२८**† पण हूं जिन्दो होवा का बाद तमार से पेलां, हूं गलील परदेस जउंवां।"

२९पतरस ने उकासे क्यो, "चाये सगळा छोड़ी लाखे तो छोड़ी लाखे, हूं नी छोडुंवां।"

३०जदे ईसु ने उकासे क्यो, "हूं थार से सांची कूं: आजज राते मुरगा का दो कावा बांग देवा से पेलां तू खुद तीन कावा म्हारे नकारेगा।"

३१पण पतरस दावा से यइज केतो र्‌यो, "चाय म्हारे थारा गेले मरनो बी पड़े, फेर बी हूं थारे नी नकारुंवां!"

अने वी सगळा चेला यइज बात कई र्‌या था।

एखला माय पराथना

(मत्ती २६.३६-४६; लूका २२.३९–४६)

३२अने वी 'गतसमनी' नामकी जगा माय आया; अने उने अपणा चेलाहुंण से क्यो, "तम यां बेठ्या रो, जदत्तक हूं पराथना करूं।" **३३**अने उने अपणा गेले पतरस, याकूब अने योहन के ल्या, अने उ घणोज दुःखी अने ब्याकुळ होवा लाग्यो। **३४**अने उने उणकासे क्यो, "म्हारो हिरदो घणो उदास हे, यां तक के हूं मरवा पे हूं। यांज रुको अने जागता रो।"

३५फेर उ उणकासे थोड़ोक अगड़े बड़्यो अने जमीन पे पड़ी के पराथना करवा लाग्यो के हुई सके तो, या दुःख की घड़ी टळी जाय। **३६**अने उ केवा लाग्यो, "हे अब्बा! हे पिता! थारा सरु सगळो कंई सबगो हे। यो प्यालो म्हार से इकाड़ी करी दे। फेर बी म्हारी नी पण थारी मरजी पूरण होय।"

३७अने उने अई के उणके सोता पाया अने पतरस से क्यो "सिमोन, तू सोइर्‌यो र्‌यो हे? कंई तू एक घड़ी बी नी जागी सक्यो? **३८**जागता अने पराथना करता रो के तम अजमाइस माय नी पड़ो। आतमा तो तय्यार, पण काया कमजोर हे।"

३९अने उने पाछो जई के इनाज सबद्‌हुंण माय पराथना करी। **४०**अने उने पाछो अई के उणके सोता पाया क्योंके उणकी आंखहुंण नीन्द से भरी थी, अने वी नी जाणता था के उके कंई जुवाब दां।

४१फेर उने तीसरी कावा अई के उणकासे क्यो, "कंई तम अबी तक सोइर्‌यो र्‌या हो अने अराम करी र्‌या हो? नरो हुई चुक्यो! घड़ी अइगी हे। देखो, हूं मनख को बेटो पापिहुंण का हाते पकड़वायो जउं हे। **४२**उठ्याव, चलां! देखो, म्हारो पकड़वाणे वाळो कने हे!"

---

† **१४.२७:** जकरियाह १३.७ † **१४.२८:** मत्ती २८.१६

यहूदा ने चुम्मो दइके ईसु के पकड़ायो
(MRK १४.४५)

ईसु के पकड़्यो जाणो

(मत्ती २६.४७-५६; लूका २२.४७–
५३; योहन १८.३–१२)

४३जदे उ या कइज र्‌यो थो तो यहूदा,
जो बारा चेलाहुंण माय से एक थो, झट
अई पोंच्यो, अने उका गेले तरवारहुंण
अने लटठहुंण लई के एक बड़ीमेक भीड़
थी जेके मुख-पुरोहित, सासतरिहुंण अने
बुड़ा-हाड़ाहुंण ने मोकल्या था। ४४उका
पकड़वाणे वाळा ने या कई के सेलाणी दई
थी, के जेको हूं चुम्मो लूं उ ईसुज हे; उके
पकड़ी के होसियारी से लई के जावजो।
४५वां पोंची के यहूदा ने झट ईसु
कने जई के, क्यो, "रब्बी!" अने उके
चुम्यो। ४६जदेज उणने उके पकड़ी के
बन्दी बणई ल्यो। ४७इका पे कने उब्या
चेलाहुंण माय से एक ने तरवार खेंची के
म्हापुरोहित का दास पे चलाड़ी अने उको
कान काटी लाख्यो। ४८ईसु ने जुवाब देता
होया उणकासे क्यो, "कंई तम तरवार
अने लटठहुंण लई के म्हारे बन्दी बणावा
आया हो? कंई हूं कईं को डाकू हूं? ४९[†]
हूं तो तमारा गेले हरदन मन्दर माय
परबचन द्‌या करतो थो अने तमने म्हारे
नी पकड़्यो, पण यो इकासरु होयो हे के
पवित्तर सासत्तर को लिख्यो पूरण होय।"
५०इका पे सगळा चेलाहुंण उके एखला
के छोड़ी ने भागी ग्या।
५१एक जुवान उका पाछे-पाछे चली
र्‌यो थो। उ अपणी नांगी काया पे सिरप
मलमल को चादर ओड़्यो होयो थो।
उणने उके पकड़्यो, ५२पण उ मलमल
को चादर छोड़ी के नांगोज भागी ग्यो।

ईसु की पेसी

(मत्ती २६.५७-६८; लूका २२.५४–५५,६३-
७१; योहन १८.१३–१४,१९-२४)

५३वी ईसु के म्हापुरोहित कने लई ग्या:
अने सगळा मुख-पुरोहित, बुड़ा-हाड़ा अने
सासतरी भेळा हुई ग्या। ५४पतरस दूराज
दूरा से म्हापुरोहित का आंगणा तक उका
पछड़े-पछड़े चल्यो ग्यो थो। उ नेपादारहुंण
का गेले बेठिके वां भस्ते तापवा लाग्यो।
५५म्हापुरोहित अने सगळी म्हासबा[r] ईसु
के मारी लाखवा सरु उका बिरोद माय
गवा ढुंडवा की कोसिस करता र्‌या, पण
उणके कईं को बी गवा नी मिळ्यो।

---

[r] **१४.५५** म्हासबा; यहूदिहुंण का ७० धरम का नेताहुंण की सबा।
[†] **१४.४९:** लूका १९.४७, २१.३७

[५६]क्योंके नरा लोगहुंण उका बिरोद माय झुंटी गवई दई र्‌या था, पण उणकी गवई एक-दूसरा से मिळी नी री थी।

५७जदे थोड़ाक लोग उबा हुई के उका बिरोद माय या गवई देवा लाग्या, [५८]† "हमने इके यो केता सुण्यो हे, हूं हातहुंण से बणाया इना मन्दर के ढळ्डई लाखुंवां अने तीन दन माय दूसरो उबो करी दूंवां जो हात को बणायो होयो नी रेगा'।" [५९]इका पे बी उणकी गवई एक सरीकी नी थी।

६०फेर म्हापुरोहित उठ्यो अने उने अगड़े अई के ईसु से पुछ्यो, "जो गवई ई लोगहुंण थारा बिरोद माय दई र्‌या हे कंई तू इको जुवाब नी दे?"

६१पण उ छानो र्‌यो अने उने कईं को जुवाब नी द्‌यो। म्हापुरोहित ने पाछो उकासे यो केता होया पुछ्यो, "कंई तू उना धन्य परम परधान परमेसर को बेटो मसीह हे?"

६२† ईसु ने क्यो, हूं हे! अने तम म्हारे मनख का बेटा के सरवसक्तिमान का सुदा हाताड़ी बेठ्यो होयो अने सरग का बादळाहुंण का गेले आता होया देखोगा।"

६३इका पे म्हापुरोहित ने अपणा लतरा फाड़ी के क्यो, "अबे हमारे हजु गवाहुंण की कंई जरुवत? [६४]† तम या निंदा[s] सुणी चुक्या हो। इका पे तमारी कंई राय हे?"

अने उण सगळा ने उके मोत की सजा का लायक दोषी ठेराड़्‌यो।

६५जदे थोड़ाक उका पे थुकवा लाग्या, अने उकी आंखहुंण पे पट्‌टी बान्दी के मुक्का मारवा लाग्या अने उकासे केवा लाग्या, "भविसबाणी कर!" अने नेपादारहुंण ने पकड़ी के उका मुन्डा पे थापड़ मार्‌या।

पतरस ने ईसु के नकार्‌यो

(मती २६.६९-७५; लूका २२.५६–६२; योहन १८.१५–१८,२५-२७)

६६जदे पतरस निच्चे आंगणा माय थो, तो म्हापुरोहित की दासिहुंण माय से एक वां अई, [६७]अने पतरस के भस्ते तापतो देख्यो अने उका पे नगे गड़ई के केवा लागी, "तू बी तो ईसु नासरी का गेले थो।"

६८पण उने मना करता होया क्यो, "हूं नी तो जाणूं अने नीज समजुं के तू कंई कई री हे।" अने उ बायरे ओसारा माय चल्यो ग्यो। इका बाद मुरगा ने बांग दई[t]।

६९उके देखी के कने उब्या लोगहुंण से वा दासी पाछी केवा लागी, "यो तो उणका दळ माय को एक हे!" [७०]पण उने पाछो नकार्‌यो।

थोड़िक देर बाद जो कने उब्या था उणने पाछो पतरस से क्यो, "पक्कोज तू उणका माय को एक हे, क्योंके तू गलील को हे!"

७१पण उ कोसवा अने सोगन खावा लाग्यो, "हूं इना मनख के जेकी तम चरचा करी र्‌या हो नी जाणूं!"

७२अने झट मुरगा ने दूसरी कावा बांग दई। जदे पतरस के वा बात जो ईसु ने

---

[s] **१४.६४** निंदा; खुद के परमेसर का बराबरी करिके इने परमेसर की निंदा करी। [t] **१४.६८** इका बाद मुरगा ने बांग दई; थोड़ाक हात का लिख्या लेखहुंण माय असो नी हे।

† **१४.५८:** योहन २.१९ † **१४.६२:** दानियल ७.१३ † **१४.६४:** लेव्यव्यवस्था २४.१६

पतरस से कई थी, रियाद अई, "मुरगा का दो कावा बांग देवा से पेलां तू तीन कावा म्हारे नकारेगा।" अने पतरस रोवा लाग्यो।

पिलातुस का सामे हाजिर

(मती २७.१-२,११-१४; लूका २३.१–५; योहन १८.२८-३८)

१५ अने दन उगताज, झट मुख-पुरोहितहुंण अने बुड़ा-हाड़ाहुंण, सासतरिहुंण अने आखी म्हासबा का गेले फेसलो कर्‌यो, अने ईसु के बान्दी के लई ग्या अने उके पिलातुस का हाते दई द्‌यो। २पिलातुस ने उकासे पुछ्‌यो, "कंई तू यहूदिहुंण को राजो हे?"

ईसु ने जुवाब देतो होयो उकासे क्यो, "तू खुदज कई र्‌यो हे।"

३अने मुख-पुरोहित उका पे नरी बातहुंण को आरोप लगाड़ी र्‌या था। ४पिलातुस ने उकासे या केता होया पाछो पुछ्‌यो, "कंई तू जुवाब नी दई र्‌यो? देख, वी थारा बिरोद माय कितरा आरोप लगाड़ी र्‌या हे।"

५पण ईसु ने कईं को हजु जुवाब नी द्‌यो - इका से पिलातुस के अचरज होयो।

पिलातुस ईसु के छोड़वा माय नाकाम

(मती २७.१५-२६; लूका २३.१३–२५; योहन १८.३९-१९.१६)

६परब का बखत पिलातुस उणकी मांग पे कइंका एक मुलजिम के छोड़्या करतो थो। ७अने उना बिदरोहिहुंण का गेले जिणने दंगा का बखत हत्या करी थी बरअब्बा नाम को एक मनख बी केद कर्‌यो थो। ८अने भीड़ अदरे जई के पिलातुस से बिणती करवा लागी, के जसो तू करतो आयो हे, वसोज हमारा सरु कर। ९तो पिलातुस ने उणके जुवाब द्‌यो, "कंई तम चाव के हूं यहूदिहुंण का राजा के तमारा सरु छोड़ी राखुं?" १०क्योंके उ जाणतो थो के मुख-पुरोहितहुंण ने उके जळण की वजासे पकड़वायो हे।

११पण मुख-पुरोहितहुंण ने भीड़ के यो केवा सरु उकसाड़्यो के पिलातुस ईसु का बदळा माय बरअब्बा के छोड़ी लाखे। १२पिलातुस ने पाछो पुछ्‌यो, "तो जेके तम यहूदिहुंण को राजो को हो उको हूं कंई करूं?"

१३वी पाछा चिल्लाड़्या, "उके कुरुस पे चड़ाव!"

१४पिलातुस ने उणकासे क्यो, "कायसरु? उने कंई बुरो कर्‌यो हे?"

पण वी हजु बी जोर से चिल्लाड़्या, उके कुरुस पे चड़ाव।"

१५तो पिलातुस ने भीड़ के खुस करवा की मनसा से बरअब्बा के उणका सरु छोड़ी लाख्यो, अने ईसु के कोड़ा लगाड़िके कुरुस पे चड़ावा सरु रोमी सिपईहुंण के दई द्‌यो।

सिपईहुंण की मसकरी

(मती २७.२७-३१; योहन १९.२–३)

१६सिपई उके किला का भित्तरे याने राजपाल का मेळ माय लई ग्या, अने वां उणने आखी रोमी पळटन के बुलाड़ी के भेळी करी ली। १७उणने उके बेंगणी रंग को लतरो पेरायो अने कांटा को मुगुट गुंथिके उका माथा पे धर्‌यो। १८अने वी

ठको मान पाड़वा लाग्या: हे यहूदिहुंण का राजा, थारी जे होवे!" १९वी ठका माथा पे बरु मारता अने ठका पे थुंकता र्‌या, अने गोड़ा टेकी के ठके मजाक माय परणाम करी र्‌या था। २०जदे वी ठको मजाक बणई चुक्या तो बेंगणी रंग का लतरा के ठतारी के ठणने ठकाज लतरा ठके पेरई द्‌या। अने वी ठके कुरुस पे चड़ावा सरु बायरे लई ग्या।

सिपईहुंण को मजाक (MRK १५.२०)

ईसु के कुरुस पे चड़ायो जाणो

(मत्ती २७.३२-४४; लूका २३.२६-४३; योहन १९.१७-२७)

२१† अने ठणने ठके सिकन्दर अने रुफुस को पिता सिमोन जो कुरेनी गांम से अई र्‌यो थो, बेगारी माय पकड़्यो के ईसु का कुरुस के ठठई के लई चले। २२अने वी ठके 'गुलगुता'[u] नामकी जगा पे लाया, जेको अरथ हे 'खोपड़ी की जगा'। २३अने ठणने ठके लुबान मिळ्यो होयो अंगूर रस देवा की कोसिस करी; पण ठने नी ल्यो। २४† अने ठणने ठके कुरुस पे चड़ायो अने चिट्ठिहुंण लाखी, के किके कंई मिळे, ठका लतराहुंण के माय-माय बांटी ल्या। २५जदे ठणने ठके कुरुस पे चड़ायो तो सवेरे का नो बजी चुक्या था। २६अने ठका माथा का अदरे दोष-पत्तर पे यो लिख्यो थो, "यहूदिहुंण को राजो " २७ठणने ठका गेले दो डाकूहुंण के बी कुरुस पे लटकाड़्या, एक के जीवणा हाताड़ी अने दूसरा के डाबा हाताड़ी। २८† तो पवित्तर सासत्तर को ठ बचन पूरण होयो जेका माय यो लिख्यो, "ठ कसूरवारहुंण का गेले गिण्यो ग्यो।"[v]

२९† अने वां से आवा-जावा वाळा ठकी निंदा करता होया अने माथो हलाड़ी-हलाड़ी के केवा लाग्या, अरे! मन्दर का ढळडाणे वाळा अने तीन दन माय बणावा वाळा, ३०अपणे खुद के बचाड़ अने कुरुस से ठतर्‌या!"

३१असतरे म्हापुरोहित बी सासतरिहुंण का गेले मिळी के माय-माय ठको मजाक ठड़ई के यो कई र्‌या था, "इने दूसराहुंण के बचाड़्या; पण अपणे खुद के नी बचई

---

[u] **१५.२२** गुलगुता; खोपड़ी (कपाळ) सरीको नानो टेकरो। [v] **१५.२८** थोड़ाक हात से लिख्या होया लेख माय २८ आयत जोड़ी हे। (देखो लूका २२.३७)।

† **१५.२१:** रोमिहुंण १६.१३ † **१५.२४:** भजन संहिता २२.१८ † **१५.२८:** यसायाह ५३.१२

† **१५.२९:** भजन संहिता २२.७, १०९.२५; मरकुस १४.५८; योहन २.१९

सकतो। ३२अबे यो मसीह, इसराइल को राजो, कुरुस पे से निच्चे उतर्‌या के हम देखी के बिसास करां!"

अने वी दोई बी जो उका गेले कुरुस पे लटकाड़्या था, असाज उकी निंदा करी र्‌या था।

ईसु की मोत

(मत्ती २७.४५-५६; लूका २३.४४-४९; योहन १९.२८-३०)

३३जदे दफोर का बारा बजिग्या तो आखा देस माय इन्दारो छई ग्यो अने तीन बज्या दन तक छायो र्‌यो। **३४**† अने तीन बजवा पे ईसु ने घणा उंचा बोल माय चिल्लाड़ी के क्यो, "इलोई, इलोई, लमा सबकतनी?" जेको अरथ, हे म्हारा परमेसर, हे म्हारा परमेसर, तने म्हारे कायसरु छोड़ी लाख्यो?"

३५तो जो कने उब्या था उणका माय से थोड़ाक या सुणी के केवा लाग्या, देखो, उ एलियाह के तेड़ी र्‌यो हे।" **३६**† अने कइंका ने दोड़ी के पाणी चुसवा वाळी चीज के सिरका माय डुबाड़ी, अने उके बरु पे धरी के उके चुसाड़्यो अने केवा लाग्या, देखां एलियाह उके निच्चे उतारवा सरु आवे के नी।"

३७तो ईसु ने घणी उंची अवाज से चिल्लाड़ी के पराण छोड़ी लाख्या।

३८† अने मन्दर को परदो अदरे से निच्चे तक फाटी के दो बटका हुई ग्यो। **३९**जदे सुबेदार ने जो वां सामे उब्यो थो उके असतरे पराण छोड़ता[w] देख्यो तो क्यो, "बेसक यो मनख परमेसर को बेटो थो!"

४०† थोड़िक बइराहुंण बी थी जो दूरा से देखी री थी, उणका माय मरियम मगदलीनी, अने छोटा याकूब अने योसेस की मेतारी मरियम, अने सलोमी थी। **४१**जदे उ गलील माय थो तो ई उका पछड़े-पछड़े चल्या करती अने ईसु की सेवा-चाकरी कर्‌या करती थी; अने दूसरी नरी बइराहुंण बी थी जो ईसु का गेले यरुसलेम अई थी

ईसु के गाड़्यो जाणो

(मत्ती २७.५७-६१; लूका २३.५०-५६; योहन १९.३८-४२)

४२जदे सांज हुई, तो तय्यारी का दन होवा की वजासे, याने सबत् से एक दन पेलां, **४३**अरमतियाह को रेवासी यूसफ आयो, जो म्हासबा को एक इज्जतदार मनख थो। उ खुदज परमेसर का राज की बाट जोई र्‌यो थो। उने हिम्मत करिके पिलातुस का सामे जई के ईसु की लोथ मांगी। **४४**पिलातुस के घणो अचरज होयो के ईसु की मोत झट हुई गी, अने उने सुबेदार से तेड़ी के पुछ्यो, "कंई उ मरी चुक्यो?" **४५**फेर उने सुबेदार से इकी जांच करवई के यूसफ के लोथ दई दी। **४६**तो यूसफ ने मलमल को लतरो मोल ल्यो अने लोथ के उतारी के उका माय लपेटी, अने एक कबर माय जो सिल्ला माय कोरी के बणई थी धरी दी, अने कबर का मुन्डा पे एक भाटो रड़कई के

---

[w] **१५.३९** पराण छोड़ता; मूळ माय उ जोर से चिल्लाड़्यो अने पराण छोड़ी लाख्या।

† **१५.३४:** भजन संहिता २२.१ † **१५.३६:** भजन संहिता ६९.२१ † **१५.३८:** निरगमन २६.३१–३३

† **१५.४०–४१:** लूका ८.२–३

लगाड़ी लाख्यो। ४७मरियम मगदलीनी अने योसेस की मेतारी मरियम देखी री थी के उके कां धर्‌यो हे।

ईसु को जी उठणो

(मत्ती २८.१-८; लूका २४.१-१२; योहन २०.१-१०)

१६ जदे सबद् बितवा पे, मरियम मगदलीनी, याकूब की मेतारी मरियम अने सलोमी ने काया पे मळवा सरु मुसालो मोल ल्यो के अई के ईसु की लोथ पे मळे। २अने हफ्ता का पेलां दन सबेरे-सबेरे दन हिटताज वी कबर पे अई। ३वी माय-माय कई री थी, कुंण हमारा सरु कबर का मुन्डा से सिल्ला सरकायगा?" ४जदे उणने नगे उठाड़ी के देख्यो के सिल्ला नरी मोटो होवा पे बी कबर पे से सरकी हुई हे। ५कबर माय जावा पे उणने एक जुवान के धोळा लतरा पेर्‌यो सुदा हाताड़ी बेठ्यो देख्यो; अने वी दंग रई गी।

६सरगदूत ने उणका से क्यो, "चोंको मती। तम ईसु नासरी के जो कुरुस पे

बइराहुंण ने कबर माय सरगदूत के देख्यो (MRK १६.५)

लटकाड़्यो थो, ढुंडी री हो। उ जिन्दो हुई ग्यो हे। यां हयनी। देखो, याज वा जगा हे जां उणने उके धर्‌यो थो। ७† पण जाव, उका चेलाहुंण अने पतरस के बताड़ो के उ तमार से पेलां गलील जायगा अने तम उके वां देखोगा, जसो के उने तमार से क्यो थो।"

८वी वां से हिटी अने कबर से पाटी दई, क्योंके धुजणी अने अचरज उणका पे छई ग्यो थो; अने उणने कइंका से बी कइंनी क्यो, क्योंके वी डरी गी थी।

एक पुराणा परिच्छेद[x]

१६.९-२०

थोड़ाक चेलाहुंण के दरसन

(मत्ती २८.९-१०; योहन २०.११-१८)

[९जिन्दा होवा का बाद हफ्ता का पेलां दन घणा सवेरेज, ईसु सगळा से पेलां मरियम मगदलीनी के जेका माय से सात बुरी आतमाहुंण हेड़ी थी नगे आयो। १०उने जई के यो समिचार ईसु का चेलाहुंण के सुणायो, जो दुःख माय डुब्या होया था अने रोई र्‌या था। ११जदे उणने यो सुण्यो के उ जिन्दो हे अने उणके नगे आयो तो उणके बिसासज नी होयो।

दो चेलाहुंण के नगे आणो

(लूका २४.१३-३५)

१२इका बाद उ दूसरा रुप माय उणका माय से दो के जदे वी गांम आड़ी जई

---

[x] **१६.९-२०** कई लेखनहुंण माय आयत ९ से २० तक नी हे।

[†] **१६.७:** मत्ती २६.३२; मरकुस १४.२८

र्‌या था, नगे आयो। १३उणने जई के दूसरा के बी यो समिचार द्‌यो, पण उणने बी बिसास नी कर्‌यो।

चेलाहुंण से बात-चित

(मत्ती २८.१६-२०; लूका २४.३६-४९; योहन २०.१९-२३ परेरितहुंण १.६-८)

१४बाद माय ईसु उना ग्याराहुंण के बी जदे वी जिमवा बेठ्‌या था, नगे आयो; अने उणका अबिसास अने हिरदा का काठापण पे उणके डांट्‌या, क्योंके उणने उको बिसास नी कर्‌यो थो जिणने उके जी उठवा का बाद देख्यो थो। १५† अने उने उणका से क्यो, "तम आखा जग माय जाव अने आखी धरती पे सुब-समिचार परचार करो। १६जो बिसास करे अने बपतिसमो ले उ उध्दार पायगा, पण जो बिसास नी करे उ दोषी ठेराड़्यो जायगा। १७अने बिसास करवा वाळाहुंण माय या सेलाणी नगे आयगा: म्हारा नाम से वी बायरबादाहुंण हेड़ेगा, अने नवी-नवी भासाहुंण बोलेगा; १८वी सरपहुंण के उठाड़ी लेगा अने अगर वी पराण नासक जेर बी पी जावे तो इका से उणको नुकस्यान नी होयगा; वी बेमारहुंण पे हात धरेगा अने वी नज हुई जायगा।"

ईसु के सरग पे उठाड़ी ल्यो जाणो

(लूका २४.५०-५३; परेरितहुंण १.९-११)

१९† तो जदे परभु ईसु उणकासे बातहुंण करी चुक्यो, तो उके सरग माय उठई ल्यो, अने परमेसर का सुदा हाताड़ी बेठी ग्यो। २०अने चेलाहुंण ने जई के सगळी जगा परचार कर्‌यो। अने परभु उणका गेले काम करतो र्‌यो, अने बचन के उना अचरज का कामहुंण का गेलेज-गेल जो होता जई र्‌या था सच्चई कायम करतो र्‌यो।]

एक दूसरा परिच्छेद (९-२०)[y]

[९अने झट बइराहुंण ने पतरस अने उका सातिहुंण के यो सगळो निरदेस सुणई द्‌यो। १०अने उका बाद ईसु ने खुद अनन्त उध्दार का पवित्तर अने कदी खतम नी होवा वाळा सुब-समिचार के चेलाहुंण से उगणूं से आथणूं तक परचार करायो।]

---

[y] **१६.२०** एक दूसरा परिच्छेद माय मरकुस का सुब-समिचार को अंत असो कर्‌यो हे (९-२०)।

† **१६.१५:** परेरितहुंण १.८ † **१६.१९:** परेरितहुंण १.९–११